आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11। अंक 132। मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक

आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, शनिवार, 17 मई, 2025

भुज एअरबेस से राजनाथ सिंह की पाक को कड़ी चेतावनी

अभी तो ट्रेलर दिखाया, जरूरत पड़ने पर पूरी फिल्म दिखाएंगे... '

एजेंसी ● नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुजरात के भुज एअरबेस पहुंचे। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भुज में यह उनका पहला दौरा है। भुज एअरबेस पर रक्षा मंत्री सैनिकों की हौसलाअफजाई की है। इसके अलावा राजनाथ सिंह स्मृतिवन भी जाएंगे।

भुज एअरबेस के लिए उड़ान भरने से पहले रक्षा मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया था। इस पोस्ट में उन्होंने अपने दौरे की जानकारी साझा की थी। वहीं भुज पहुंचने के बाद रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी भी दी है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भुज में जवानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'आप सभी के बीच में आकर मुझे गौरव की अनुभूति हो रही है। यह भुज 1965 और 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जीत का साक्षी रहा है। आज एक बार फिर यह भुज पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जीत का साक्षी बना है।'

ऑपरेशन सिंदूर नाम किसने दिया?

राजनाथ सिंह ने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर का नाम हमारे प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी ने दिया है। इस ऑपरेशन के दौरान जो कुछ भी भारतीय वायुसेना ने किया, उसपर सभी को गर्व है। भारतीय वायुसेना के लिए 23 मिनट काफी थे, पाकिस्तान की सरजमीं पर पल रहे आतंकी अजगर को कुचलने के लिए और वो आपने करके दिखाया है।" राजनाथ सिंह ने कहा- पाकिस्तान की सरजमीं पर पल रहे आतंकी अजगर को कुचलने के लिए 23 मिनट काफी थे। यह कहना गलत नहीं होगा कि जितनी देर में लोग नाश्ता-पानी निपटाते हैं, उतनी देर में आपने दुश्मनों को निपटा दिया।

पाक ने भी ब्रह्मोस की शक्ति को स्वीकारा : राजनाथ सिंह

ब्रह्मोस मिसाइल पर बात करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, "अब भारत में बने अस्त्र और शस्त्र भी हमारी सैन्य शक्तियों का हिस्सा बन चुके हैं। ब्रह्मोस की ताकत को पाकिस्तान ने खुद स्वीकार कर लिया। ब्रह्मोस ने पाकिस्तान को रात के अंधेरे में दिन का उजाला दिखा दिया।" रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर जारी रहेगा। यह तो सिर्फ ट्रेलर था, अगर जरुरत पड़ी तो पाकिस्तान को पूरी पिक्चर भी दिखाएंगे।

राजनाथ सिंह ने शेयर किया पोस्ट

भुज पहुंचने से पहले एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा "नई दिल्ली से भुज (गुजरात) के लिए निकल रहा हूं। भुज एअर फोर्स स्टेशन पर अपने वायुसेना के वीर योद्धाओं से बातचीत के लिए बेहद उत्सुक हूं। इसके बाद मैं स्मृतिवन का भी रुख करूंगा।"

स्मृतिवन के बारे में बताया

रक्षा मंत्री ने अपनी पोस्ट में स्मृतिवन के बारे में भी बताया है। दरअसल इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। स्मृतिवन एक मेमोरियल और म्यूजियम है, जो 2001 के भूकंप में मारे गए लोगों की याद में बनाया गया है।

मुख्यमंत्री तिरंगा यात्रा में हुए शामिल-पूरा इंदौर हुआ देश भक्ति से ओतप्रोत

भारतीय सेना ने दिखायी ऐतिहासिक शौर्य, पराक्रम और वीरता : सीएम डॉ. यादव

संवाददाता ● इंदौर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अब नए दौर का शक्तिशाली भारत दिखाई दे रहा है। ऑपरेशन सिंदूर से हमारी तीनों सेना ने अपने साहस, शौर्य, पराक्रम और वीरता से दुश्मनों को करारा जवाब दिया है। भारतीय सेना ने दुश्मन को अल्प समय में ऐतिहासिक जवाब दिया है। ऑपरेशन सिंदूर से पूरी दुनिया ने हमारी ताकत, एकजुटता और अत्याधुनिक हथियारों का उपयोग देखा है। आतंकवादियों के मंसूबों को भी नाकाम किया गया है। कोई भी ताकत अब भारत को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। हम सब सेना को सम्मान देने के लिए इस यात्रा में एकत्रित हुए हैं। लगातार तिरंगा यात्राओं से सेना के प्रति सम्मान व्यक्त किया जा रहा है। यह यात्रा जिला से लेकर पंचायत स्तर तक लगातार जारी रहेगी। उन्होंने इंदौर की तिरंगा यात्रा को ऐतिहासिक बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को इंदौर में अपने शौर्य और पराक्रम से वीरता की अप्रतिम गाथा रचने वाले भारत के वीर सैनिकों के सम्मान में अपार जोश और उल्लास के साथ निकली तिरंगा यात्रा में शामिल हुए।

इन्दौर में तिरंगा यात्रा बड़ा गणपति से प्रारंभ हुई और गोराकुण्ड, खजुरी बाजार होते हुए ऐतिहासिक महत्व के राजबाड़ा पर सम्पन्न हुई। यात्रा में मुख्यमंत्री डॉ. यादव विशेष रथ में सवार थे। उन्होंने हर तरफ हाथ हिलाकर नागरिकों का अभिवादन किया। यात्रा से पूरा शहर राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो गया और पूरा आसमान भारत माता की जय और वंदे-मातरम् के उदघोष से गुंजायमान रहा। यात्रा में बच्चों से लेकर वृद्धों तक हर आयु वर्ग के लोगों की भागीदारी रही। यात्रा में हर धर्म, हर जाति और हर वर्ग के लोग इस यात्रा में शामिल हुये और उन्होंने अपने राष्ट्रप्रेम की झलक बिखरते हुए सेना के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया।

यात्रा में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी तथा सुश्री कविता पाटीदार, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन, विधायकगण श्री रमेश मेंदोला, श्री गोलू शुक्ला, श्रीमती मालिनी गौड़, श्री महेंद्र हार्डिया, श्री मनोज पटेल, श्री सुमित मिश्रा तथा श्री श्रवण चावड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी साथ थे।

महापुरुषों की प्रतिमा पर माल्यार्पणः मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तिरंगा यात्रा के प्रारंभ में बड़ा गणपति पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने तिरंगा यात्रा के समापन के बाद लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर को समर्पित 10 दिनी उत्सव का होगा आयोजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती मनाई जा रही है। यह संयोग है कि 20 मई को तिथि के अनुसार उनकी जयंती है और विवाह की वर्षगांठ भी है। साथ ही उनके ससुर मल्हारराव होलकर की पुण्यतिथि भी है। इसको देखते हुए 20 मई को इंदौर के राजवाड़ा में कैबिनेट की बैठक आयोजित की जा रही है। इसी दिन से पूरे प्रदेश में 10 दिनी उत्सव का आयोजन भी शुरु किया जा रहा है। इसका समापन भोपाल में भव्य रुप से 31 मई को किया जाएगा। प्रदेश में 10 दिनी उत्सव के तहत जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

रोहिंग्या निर्वासन पर 'सुप्रीम' फटकार

'देश मुश्किल दौर में है, आप काल्पनिक विचार लेकर आए हैं',

एजेंसी ● नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को रोहिंग्याओं के निर्वासन को लेकर याचिका दायर करने वालों को फटकार लगाई। याचिका में कहा गया था कि महिलाओं और बच्चों समेत 43 रोहिंग्या शरणार्थियों को म्यांमार वापस भेजने के लिए अंडमान सागर में छोड़ दिया गया है। इस पर कोर्ट ने कहा कि जब देश मुश्किल दौर से गुजर रहा है तो आप काल्पनिक विचार लेकर आए हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने याचिकाकर्ता मोहम्मद इस्माइल और अन्य की ओर से कोर्ट में दाखिल की गई सामग्री की प्रामाणिकता पर भी सवाल उठाया। साथ ही रोहिंग्याओं के आगे निर्वासन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया।

पीठ ने याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कोलिन गोंजाल्विस से कहा कि जब देश कठिन समय से गुजर रहा है, तो आप इस तरह के काल्पनिक विचार लेकर आते हैं। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत सामग्री सोशल मीडिया से ली गई नजर आती है और रोहिंग्याओं को यातना देने तथा उन्हें समुद्र में फेंककर निर्वासित करने के आरोपों को मात्र आरोप बताया गया है। न्यायमूर्ति कांत ने पूछा कि आरोपों को प्रमाणित करने वाली सामग्री कहां है?

पीठ ने कहा कि निर्वासित लोगों और दिल्ली में रहने वाले याचिकाकर्ता के बीच कथित फोन कॉल की बातचीत की रिकॉर्डिंग सत्यापित नहीं की गई है। न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि क्या किसी ने इन फोन कॉलों की पुष्टि की है कि वे म्यांमार से आए थे? इससे पहले हमने एक मामले की सुनवाई की थी, जिसमें झारखंड के जामताड़ा से अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा के फोन नंबरों से कॉल किए गए थे।

वकील गोंजाल्विस ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि उसने भी इस मुद्दे पर संज्ञान लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है, तो पीठ ने कहा कि बाहर बैठे लोग हमारे प्राधिकारों और संप्रभुता को निर्देशित नहीं कर सकते। पीठ ने गोंजाल्विस से कहा कि वह याचिका की प्रतिलिपि अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल के कार्यालय को सौंप दें ताकि इसे सरकार के संबंधित अधिकारियों को भेजा जा सके और मामले की सुनवाई 31 जुलाई को तीन न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष निर्धारित कर दी।

पीठ ने कहा कि बयानों के समर्थन में कोई भी सामग्री उपलब्ध नहीं है। जब तक आरोपों को प्रथम दृष्टया कुछ सामग्री से समर्थन नहीं मिलता, तब तक हमारे लिए एक बड़ी पीठ द्वारा पारित आदेश पर विचार करना कठिन है। शीर्ष अदालत ने याचिका में की गई बातों को बेहतरीन भाषा का प्रयोग करते हुए खूबसूरती से गढ़ी गई कहानी करार दिया और कहा कि वह तीन न्यायाधीशों की पीठ के साथ बैठकर संयुक्त राष्ट्र निकाय की रिपोर्ट पर टिप्पणी करेगी।

ऑपरेशन सिंदूर पर अब एमपी के डिप्टी-सीएम का विवादित बयान :बोले

सेना प्रधानमंत्री के चरणों में नतमस्तक

एजेंसी ● जबलपुर

मध्यप्रदेश में मंत्री विजय शाह के बाद अब डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विवादित बयान दिया है। देवड़ा ने शुक्रवार को जबलपुर में कहा, प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देना चाहेंगे...और पूरा देश, देश की वो सेना, वो सैनिक...उनके चरणों में नतमस्तक है।

वे यहां सिविल डिफेंस वालिंटियर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उनके बयान को कांग्रेस ने सेना के शौर्य का अपमान बताया। वहीं, बीजेपी ने कहा है कि कांग्रेस देवड़ा के बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही है।

विवाद बढ़ने के बाद डिप्टी सीएम ने सफाई दी। कहा, 'मेरे बयान को गलत ढंग से पेश किया जा रहा है।' इससे पहले मंत्री शाह ने भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक बयान दिया था। एमपी हाईकोर्ट ने पुलिस को FIR दर्ज का आदेश दिया। मंत्री इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। इस पर सुनवाई सोमवार को होगी।

पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद बड़ा कदम

रक्षा बजट में 50 हजार करोड़ बढ़ाने का प्रस्ताव

एजेंसी ● नई दिल्ली

पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद केंद्र सरकार रक्षा बजट में 50,000 करोड़ रुपए बढ़ा सकती है। रक्षा मंत्रालय ने सरकार को फंड बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है, जिसे संसद के नवंबर-दिसंबर के दौरान शीतकालीन सत्र में मंजूरी मिल सकती है।

मीडिया रिपोर्ट्स में सरकारी सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। इसमें बताया गया है कि इस फंड से नए हथियार, गोला-बारूद और तकनीक खरीदी जाएंगी। साथ ही सेना की दूसरी जरूरतें, रिसर्च और डेवलमेंट पर भी खर्च किया जाएगा।

बढ़ोतरी के बाद रक्षा मंत्रालय का ओवरऑल बजट 7 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को पेश किए गए 2025-26 के बजट में सशस्त्र बलों के लिए रिकॉर्ड 6.81 लाख करोड़ रुपए का बजट दिया था।

इस साल रक्षा बजट पिछले साल की तुलना में करीब 9.5% ज्यादा है। केंद्र ने 2024-25 में सशस्त्र बलों के लिए 6.22 लाख करोड़ रुपए दिए थे। PM मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के पहले बजट 2014-15 में रक्षा मंत्रालय को 2.29 लाख करोड़ रुपए दिए गए थे।

बॉर्डर पार किए बिना भारत ने पाकिस्तान में 9 आतंकी कैंप्स नष्ट किए जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव जारी है। इस बीच रक्षा बजट में बढ़ोतरी को लेकर रक्षा मंत्रालय के प्रस्ताव को अहम माना जा रहा है। पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (PoK) में हमला किया था।

इस दौरान भारत ने अपने एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम की बदौलत बॉर्डर पार किए बिना पाकिस्तान के भीतर जाकर नौ आतंकवादी कैंपों को नष्ट कर दिया। जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान ने भी हमला किया, लेकिन भारत की मल्टी लेयर्ड एयर डिफेंस सिस्टम ने लगभग हर पाकिस्तानी मिसाइल और ड्रोन को बेअसर कर दिया।

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रूस की एस-400, बराक-8 मीडियम रेंज SAM सिस्टम और स्वदेशी आकाशतीर सिस्टम को तैनात किया था। इसके अलावा पिकोरा, OSA-AK और LLAD गन (लो-लेवल एयर डिफेंस गन) के जरिए भी पाकिस्तान के मिसाइल और ड्रोन हमले नाकाम किए।

भारत का सैन्य खर्च पाकिस्तान से 9 गुना ज्यादा स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में दुनिया के पांचवे सबसे बड़े देश भारत का सैन्य खर्च 1.6% बढ़कर 86.1 बिलियन डॉलर (7.19 लाख करोड़) हो गया है। वहीं, पहलगाम हमले के बाद से न्यूक्लियर मिसाइल दागने की धमकी दे रहे पाकिस्तान का सैन्य खर्च 10.2 बिलियन डॉलर यानी करीब 85,170 करोड़ रहा।

28 मई को जारी 'ट्रेंड्स इन वर्ल्ड मिलिट्री एक्सपेंडिचर 2024' रिपोर्ट के मुताबिक, भारत अपनी सेना पर पाकिस्तान से 9 गुना ज्यादा पैसा खर्च कर रहा है। सैन्य खर्च करने वाले दुनिया के टॉप 5 देश अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत हैं। इन पांचों का कुल सैन्य खर्च 1635 बिलियन डॉलर यानी 136.52 लाख करोड़ है।

भारत के सैन्य बजट का 75% सैलरी-पेंशन पर खर्च होता है फिलहाल, भारत का डिफेंस बजट GDP का 1.9% है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि चीन और पाकिस्तान दोनों को एक साथ काउंटर करने के लिए इसे GDP का कम से कम 2.5% होना चाहिए।

भारत अपनी 14 लाख की सेना की सैलरी और पेंशन पर अपने डिफेंस बजट का 75% हिस्सा खर्च करता है, जिससे उसके पास सैन्य आधुनिकीकरण के लिए सिर्फ 25% ही बचता है।

2024 में बढ़ा यूरोप के कई देशों को सैन्य खर्च SIPRI की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मध्य और पश्चिमी यूरोप के कई देशों ने 2024 में अपने सैन्य खर्च में काफी बढ़ोतरी की है। इसके पीछे की वजह नए खर्च और बड़े पैमाने पर हथियार खरीद योजनाओं को लागू करना रहा।

नई राह दिखाने वाले इस इनोवेशन ने स्वास्थ्य सेवा और बहुत अधिक संवेदनशील परिवेश में सुरक्षा की एक नई मिसाल कायम की है

वाडी सर्जिकल्स के एनलिवा ब्रांड के एक्सीलरेटर-रहित नाइट्राइल ग्लव्स के साथ भारत भी दुनिया की रैंकिंग में शामिल हुआ

संवाददाता ● विशाखापत्तनम

सुरक्षा

वाडी सर्जिकल्स भारत में नाइट्राइल ग्लव्स के निर्माण में सबसे आगे है, जिसने अपने फ्लैगशिप ब्रांड एनलिवा के तहत एक्सीलरेटर-रहित नाइट्राइल ग्लव्स के लॉन्च की घोषणा की है, जो इस दिशा में एक शानदार इनोवेशन को दर्शाता है। इन ग्लव्स को गहन अनुसंधान एवं विकास और वैश्विक सहयोग के ज़रिए विकसित किया गया है, जो भारत के पहले एक्सीलरेटर-रहित नाइट्राइल ग्लव्स हैं। इससे जाहिर है कि कंपनी ने त्वचा के लिए सुरक्षित, एलर्जी-मुक्त ग्लव्स के निर्माण में एक बड़ी छलांग लगाई है, जो हाथों के लिए बिल्कुल सुरक्षित हैं।

इस इनोवेशन के बाद ग्लव्स के निर्माण में थिउरम्स, कार्बामेट्स और MBTs कम्पाउंड जैसे सामान्य रासायनिक एक्सीलरेटर्स के उपयोग की जरूरत नहीं रहती है, जो बार-बार ग्लव्स पहनने वालों में एलर्जिक कॉन्टैक्ट डर्मेटाइटिस (टाइप IV हाइपरसेंसिटिविटी) का कारण बनते हैं। इन ग्लव्स का निर्माण वैकल्पिक गैर-संवेदनशील क्रॉसलिंकिंग एजेंटों का उपयोग करके किया गया है, साथ ही इन्हें

त्वचा की सुरक्षा, यांत्रिक शक्ति और रासायनिक प्रतिरोध के लिए बेहद सख्त कसौटी पर परखा गया है। इस मौके पर वाडी सर्जिकल्स के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री अनिन्दिथ रेड्डी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, 'इस लॉन्च के साथ, भारतीय ग्लव्स निर्माण को विश्व स्तर पर इनोवेशन के मामले में सबसे आगे लाना हमारे लिए गौरव की बात है। अब एक्सेलरेटर-रहित नाइट्राइल ग्लव्स सिर्फ दुनिया के ब्रांड्स द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली कोई बेहद खास चीज नहीं रह गई है- हम उन्हें सभी के लिए सुलभ और किफ़ायती बना रहे हैं। ये प्रोडक्ट न केवल स्वास्थ्य कर्मियों और कल-कारखानों में ग्लव्स का उपयोग करने वाला की सेहत से जुड़ी एक बड़ी चिंता को दूर करता है, बल्कि सुरक्षित, उम्दा प्रदर्शन वाले और सस्टेनेबल ग्लव्स उपलब्ध कराने के हमारे संकल्प को भी मजबूत करता है।'

ये ग्लव्स EN 455, EN ISO 374, ISO 13485:2016 और REACH-अनुपालन मानकों के अनुसार प्रमाणित हैं, और ये अस्पतालों, क्लीनरूम, बायोटेक लैब्स, खाद्य प्रसंस्करण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स के उत्पादन में उपयोग के लिए उपयुक्त हैं। श्री सेल्वम सुब्रमण्यम, वाइस प्रेसिडेंट– ऑपरेशंस, ने कहा, 'यह उपलब्धि सामग्री विज्ञान में गहराई से इनोवेशन और प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए लगातार की गई मेहनत का नतीजा है। हमारी टीम ने दुनिया के पॉलिमर विशेषज्ञों के साथ मिलकर एक ऐसा ग्लव्स बनाया है, जो न केवल त्वचा को संवेदनशील बनाने वाले कारकों को दूर करता है, बल्कि टिकाऊपन, लचीलापन और सुरक्षा के वैश्विक मानकों के बराबर या उससे भी बेहतर है। यह भारतीय निर्माण उद्योग के लिए गर्व का अवसर है।

एनलिवा की एक्सीलरेटर-रहित ग्लव्स की रेंज कई वेरिएंट में उपलब्ध होगी

- एनलिवा प्रो - BIS मानकों के अनुरुप मेडिकल ग्लव्स
- एनलिवा प्रीमियम नाइट्राइल ग्लव्स- ASTM मानक परीक्षण ग्लव्स
- एनलिवा क्विकड्रा - बहु-उपयोगी डिस्पोजेबल ग्लव्स
- एनलिवा अर्बनशील्ड - फूड-ग्रेड ग्लव्स
- अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों को व्हाइट-लेबल और OEM विकल्प भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

इस प्रगति के साथ, एनलिवा भी एन्सेल के डर्माशील्ड, हार्टलेगा के एनजीएक्स और शील्ड साइंटिफिक जैसे दुनिया के प्रमुख ब्रांडों की बराबरी में आ गया है– जो मेडिकल डिस्पोजेबल्स में अव्वल दर्जे के इनोवेशन में दुनिया का मुकाबला करने की भारत की क्षमता को दर्शाता है।

शॉट न्यूज

सफाईकर्मियों से मारपीट, न.निगम का वाहन फोड़ा

इंदौर। राजेंद्र नगर इलाके में ड्रेनेज की सफाई के लिए पहुंचे सफाई कर्मचारियों से कैफे वाले का विवाद हो गया।इस दौरान दोनों पक्षो में जमकर मारपीट हुई।जिसके बाद दोनो पक्ष थाने पहुंचे और एक दूसरे पर मारपीट व तोड़फोड़ के आरोप लगाते हुए केस दर्ज करवाया हैं। राजेंद्र नगर पुलिस के मुताबिक घटना दत्त नगर के भाई चाय कैफ़े के सामने की हैं।इस मामले में एक पक्ष की तरफ से नगर निगम के दरोगा जयराज पिता नरेश जाधव की शिकायत पर राज ,बोबी ,रोहित शर्मा निवासी राजेन्द्रनगर ,निशांत नायडू निवासी प्रगति नगर,गब्बू साहिल एंव अन्य साथियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया हैं।फरियादी ने पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया कि आवेदक ने बताया कि, मैं झोनल कार्यालय झोन क्रं.21 पर वार्ड क्रं.80 पर ड्रेनेज दरोगा पद पर कार्यरत हूँ ।

परिवार शादी में गया, चोर जेवर-नकदी ले उड़े

इंदौर। एक परिवार को रिश्तेदार की शादी में जाना महंगा पड़ गया। घर में घुसे चोर सोने चांदी के जेवर और नकदी चुरा कर ले गए। फरियादी मनीष पिता हरि नारायण सोनी निवासी परस्पर कॉलोनी के यहां चोरी की घटना हुई। मनीष ने बताया कि चचेरे भाई की शादी में शामिल होने के लिए परिवार सहित गार्डन गए थे। लौटे तो चोरी का पता चला। उसके मुताबिक चोर लगभग 3 लाख के जेवर और नकदी चुरा कर ले गए। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया है। इसी प्रकार आलोक नगर में रहने वाले अभिषेक पिता मोहनलाल त्रिवेदी के यहां चोरी की घटना हुई। निजी कंपनी में कार्यरत अभिषेक ने बताया कि को परिवार सहित 12 में को भतीजे के यहां आयोजित कार्यक्रम में देवास गए थे लौटे तो चोरी का पता चला। उनके मुताबिक चोर 2 लाख से अधिक के जेवर और नकदी चुराकर ले गए। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया है।

गाना बजाने पर युवक का सिर फोड़ा

इंदौर। सिमरोल इलाके में आरोपियों ने एक वृद्ध का सिर फोड़ दिया। बताया जाता है कि मोबाइल फोन पर गाना बजाने की बात पर उनके बीच में विवाद हो गया था। इस पर आरोपियों ने मिलकर युवक को पीट दिया। भगवान पिता महारु अटोले (60) निवासी अहिल्यापठार सिमरोल की शिकायत पर संतोष पिता बंसीलाल, गीताबाई, रोशन के खिलाफ केस दर्ज किया है। उन्होंने पुलिस को बताया कि मैं घर पर मोबाइल फोन में भक्ति गीत लगाकर गाने सुन रहा था। तभी संतोष शराब के नशे में घर के सामने आया और मुझे चिल्लाकर बोला कि तु रोज रोज तेज आवाज में गाने क्यों चलाता है। इसी बात को लेकर गाली-गलौज की और विरोध करने पर संतोष ने डण्डे से पीटना शुरू कर दिया। दूसरे आरोपी भी वहां पर आ गए और उसके साथ में मारपीट शुरू कर दी।

हाइपरटेशन एक साइलेंट किलर है

समय रहते पहचानना-इलाज करना बेहद जरुरी डॉ. पंकज मनोरिया

संवाददाता ● भोपाल

ओपास 16 मईति दिवस मई की पूर्व संध्या पर आरिएक देश यानी उच्च रक्तचाप को लेकर जागरुकता फैलाने की अपील की। इस वर्ष दिवस की थीम 'Measure Your Blood Pressure Accurately, Control It, Live Longer डॉ मनोरिया ने बताया कि हृदय रोग आज भी मृत्यु का एक प्रमुख कारण बना हुआ है और इसका सबसे बड़ा कारक हाइपरटेंशन है। आरत में लगभग 15 करोड़ लोग उच्च रक्तचाप से पौड़ित हैं, जिसमें शहरी इलाकों में यह समस्या अधिक देखने को मिल रही है। उन्होंने बताया कि एक लोकप्रिय '50% नियम के अनुसार 50% लोगों को पता ही नहीं होता कि उन्हें हाई ब्लड प्रेशर है और जो 50% जानते हैं, उनमें से भी कई लोग नियमित रूप से दवाएं नहीं लेते या डोज छोड़ते रहते हैं। डॉ. मनोरिया ने कहा, हाइपरटेंशन एक साइलेंट किलर है लेकिन इसका इलाज आसान और सस्ता है। इसका समय पर पता चलना और नियमित इलाज से गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है।' उन्होंने सलाह दी कि हर परिवार के पास एक इलेक्ट्रॉनिक ब्लड प्रेशर मॉनिटर होना चाहिए और नियमित अंतराल पर बीपी की जांच करनी चाहिए। डॉ. मनोरिया के अनुसार, यदि उच्च रक्तचाप की निगरानी

न की जाए तो यह दिल, किडनी, आखें, मस्तिष्क और पैरों जैसे महत्वपूर्ण अंगों को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने बीपी मापने के कुछ महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी साझा किए, जिससे गलत रीडिंग से बचा जा सके। उन्होंने बताया कि सामान्य रक्तचाप 120/80 होता है, जबकि जब यह 130/80 से ऊपर हो जाए तो इसे हाइपरटेंशन माना जाता है. और यह सभी आयु वर्गों के लिए समान मान्य है। उन्होंने यह भी कहा कि हृदय गति जितनी कम होगी, हृदय उतना ही स्वस्थ रहेगा। जीवनशैली, आनुवंशिक कारण और आधुनिक जीवन की मानसिक चुनौतियों भी हृदय रोगों के प्रमुख कारण हैं। डॉ. मनोरिया ने कहा कि विश्व हाइपरटेंशन दिवस मनाने का उद्देश्य है लोगों को हाइपरटेंशन के खतरों से अवगत कराना और समय पर जांच व इलाज के लिए प्रेरित करना।

पीएम सूर्य घर योजना में अब तक 10 हजार 118 उपभोक्ताओं के खातों में पहुंची सब्सिडी

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अपने क्षेत्रान्तर्गत आने वाले भोपाल, नर्मदापुरम्, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में पीएम सूर्यघर योजना के तहत अब तक कुल 10 हजार 118 उपभोक्ता पंजीकृत हुए हैं। जिन्हें 68 करोड, 04 लाख 42 हजार रूपये की राशि सब्सिडी के रूप में उनके खातों में जमा कराई जा चुकी है। कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान रजिस्टर्ड उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन उपरांत विद्युत वितरण कंपनी में रजिस्टर्ड अधिकृत वेंडर से ही सौर ऊर्जा संयंत्र लगवाएं। उन्होंने कहा कि देश के करोड़ों घरों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पीएम सूर्य घर योजना प्रारंभ की गई है। लोगों को इस योजना का लाभ मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा प्रदान किया जा रहा है। प्रबंध संचालक ने कहा कि इस योजना के तहत एक किलोवाट सोलर संयन्त्र लगाने पर 30 हजार रूपये, दो किलोवाट सोलर संयन्त्र लगाने पर 60 हजार रुपए तथा तीन किलोवाट या उससे ऊपर 10 किलोवॉट तक के सोलर संयन्त्र स्थापना पर 78 हजार रुपए की सब्सिडी केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही है। गौरतलब है कि पीएम सूर्यघर योजना शुभारंभ 13 फरवरी 2024 को हुआ था। तब लेकर अब तक हजारों बिजली उपभोक्ताओं को योजना से जोड़ा गया है। योजना में शामिल होने के लिए आनलाइन आवेदन करना होगा। जिसके लिए पीएम सूर्य घर योजना की वेबसाइट https://www.pmsuryaghar.gov.in पर जाकर आवेदन किया जा सकता है।

ACCA ग्लोबल टैलेंट ट्रेंड्स सर्वे 2025

भारत के अकाउंटेंट्स में प्रबल हुई उद्यमशीलता की भावना, 63% की नजर स्टार्टअप पर

एजेंसी ● मुंबई

एसीसीए (एसोसिएशन ऑफ चार्टर्ड सर्टिफाइड अकाउंटेंट्स) का नवीनतम वार्षिक वैश्विक टैलेंट ट्रेंड सर्वेक्षण 2025, अकाउंट और फाइनेंस पेशेवरों के बीच बदलते दृष्टिकोण के प्रति नियोक्ताओं को सचेत करता है, तथा यह इस बारे में एक अनूठा दृष्टिकोण प्रदान करता है कि लोग कार्यस्थल पर अपने जीवन और भविष्य की करियर आकांक्षाओं के बारे में कैसा महसूस करते हैं। अपने तीसरे वर्ष में, यह दुनिया भर में अकाउंटेंसी और वित्त पेशेवरों का सबसे बड़ा वार्षिक टैलेंट सर्वे है। भारत सहित 175 देशों के 10,000 से अधिक व्यक्तियों ने करियर महत्वाकांक्षाओं, हाइब्रिड वर्किंग और समावेशिता प्रथाओं से लेकर अपस्किलिंग, मानसिक स्वास्थ्य और रोजगार संबंधी मुद्दों पर हमारे सर्वे में जवाब दिया। इंडिया टैलेंट ट्रेंड्स 2025 रिपोर्ट देश से प्राप्त निष्कर्षों के बारे में पूरी जानकारी देती है।

कई लोगों ने अकाउंटेंसी को उद्यमशीलता की महत्वाकांक्षाओं और टैलेंट के लिए प्रवेश द्वार के रूप में बताया है। 63% ने कहा कि उनके कैरियर की महत्वाकांक्षा उद्यमी बनने की है, यह स्पष्ट है कि कई लोग अकाउंटेंसी को भविष्य में अपने खुद के व्यवसायों के लिए एक प्राकृतिक स्प्रिंगबोर्ड के रूप में देखते हैं। यह नियोक्ताओं के लिए भी अच्छी खबर हो सकती है – कई फाइनेंस और व्यावसायिक नौकरियों में एकाउंटेंट के लिए अपनी उद्यमशीलता की मानसिकता का इस्तेमाल करने की बढ़ती जरूरत व्यावसायिकता और इनोवेशन जैसे टैलेंट की खास विशेषताएं हैं।

इस वर्ष भारत से उभरने वाले प्रमुख विषय इस प्रकार हैं

- 63% लोग अकाउंटेंसी को अपना खुद का व्यवसाय चलाने के लिए एक स्प्रिंगबोर्ड के रुप में देखते हैं। इस उद्यमी मानसिकता को नियोक्ताओं द्वारा अत्यधिक महत्व दिया जाता है।
- स्थिरता से जुड़े करियर की मांग बहुत अधिक है, 74% लोग पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर केंद्रित अकाउंटेंसी करियर अपनाने में रुचि रखते हैं। वैश्विक स्तर पर बोर्ड स्तर से नीचे की 48% व्यापक नेतृत्व भूमिकाओं और फाइनेंस में मिड मैनेजमेंट भूमिकाओं में से वर्तमान में 35% में स्थिरता संबंधी जिम्मेदारियां शामिल हैं।
- रोजगार योग्यता पर सबसे अधिक भरोसा है, 80% लोग अगले दो वर्षों में भूमिका बदलने की उम्मीद कर रहे हैं और 67% लोग उम्मीद कर रहे हैं कि उनकी अगली भूमिका उनके वर्तमान संगठन के बाहर होगी - नियोक्ताओं के लिए यह एक बड़ी चुनौती।
- 75% से अधिक लोग हाइब्रिड कार्य व्यवस्था चाहते हैं, फिर भी 41% लोग अभी भी पूर्णकालिक रुप से कार्यालय में काम कर रहे हैं।
- विविधता संबंधी चिंताओं की सूची में उम्रदराज कर्मचारियों की पहचान सबसे ऊपर है, 55% का कहना है कि उनका संगठन अन्य की तुलना में विविधता के कुछ पहलुओं पर अधिक ध्यान केंद्रित करता है।
- जीवन-यापन की लागत का संकट हमारे 'वर्कप्लेस फियर' सूचकांक में शीर्ष पर बना हुआ है, जिसमें 67% लोगों को अगले वर्ष वेतन वृद्धि की उम्मीद है।

यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि

संदिग्ध गतिविधियों पर आरपीएफ की सख्त कार्रवाई

संवाददाता ● भोपाल

मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में भोपाल मंडल में यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा स्टेशन परिसरों में संदिग्ध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जा रही है तथा आवश्यकतानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री प्रशांत

कार्रवाई

यादव के निर्देशन में आरपीएफ टीम ने भोपाल रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त एक व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई की। दिनांक 16 मई 2025 को प्रातः 6:00 बजे, प्लेटफॉर्म क्रमांक 02 पर आरक्षक आरिफ खान ने एक युवक को संदिग्ध स्थिति में घूमते हुए पकड़ा, जिसकी नीयत यात्री सामान की चोरी प्रतीत हुई।

पूछताछ में उक्त व्यक्ति की पहचान रफीक (आयु 20 वर्ष) के रूप में हुई। उसके पास कोई वैध यात्रा टिकट अथवा पहचान पत्र उपलब्ध नहीं था। घटना स्थल पर कोई प्रत्यक्ष शिकायतकर्ता नहीं होने के बावजूद, संदिग्ध गतिविधियों और रेलवे परिसर की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आरपीएफ ने आरोपी के विरुद्ध भारतीय रेलवे अधिनियम की धारा 145 (अशांति फैलाना) एवं धारा 137 (बिना टिकट यात्रा) के तहत विधिसम्मत कार्रवाई की।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को लेकर रेलवे पूरी तरह से सतर्क है। स्टेशन परिसरों में हर प्रकार की संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने यात्रियों से भी अपील की कि यदि वे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि को देखें, तो तत्काल इसकी सूचना नजदीकी रेलवे स्टाफ या आरपीएफ को दें, ताकि आवश्यक कार्रवाई तत्काल सुनिश्चित की जा सके। रेल प्रशासन यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं निर्बाध यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए संकल्पबद्ध है।

अपोलो एसबीआई कार्ड सेलेक्ट कार्ड अपोलो 24।7 ऐप और चुनिंदा अपोलो फार्मेसी रिटेल स्टोर से विभिन्न श्रेणियों में खरीदारी पर 25% तक का वैल्यू बैक प्रदान करता है

एसबीआई कार्ड -अपोलो हेल्थको ने की साझेदारी अपोलो एसबीआई कार्ड सेलेक्ट कार्ड पेश किया

एजेंसी ● नई दिल्ली

एसबीआई कार्ड, भारत के सबसे बड़े प्योर-प्ले क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता और अपोलो हेल्थको, जो अपोलो फ़ार्मेसी - भारत का सबसे बड़ा खुदरा फ़ार्मेसी नेटवर्क और अपोलो 24|7 - देश का अग्रणी ओमिनी-चैनल डिजिटल स्वास्थ्य प्लेटफ़ॉर्म संचालित करता है, ने आज एक अद्वितीय, स्वास्थ्य और वेलनेस पर केंद्रित को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड - अपोलो एसबीआई कार्ड सेलेक्ट कार्ड पेश करने के लिए अपनी रणनीतिक साझेदारी का विस्तार किया है। यह अपनी तरह का प्रीमियम क्रेडिट कार्ड आज के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए सोच-समझकर डिजाइन किया गया है, जो स्वास्थ्य सेवा बचत और वित्तीय रिवार्ड्स का एक आकर्षक मिश्रण पेश करता है। ग्राहक अपोलो 24|7 ऐप पर डिजिटल रूप से इस कार्ड के लिए आसानी से आवेदन कर सकते हैं और एसबीआई कार्ड वेबसाइट SBI Card.com पर जाकर एसबीआई कार्ड स्प्रिंट के माध्यम से आवेदन करने का विकल्प चुन सकते हैं। ग्राहक चुनिंदा अपोलो फ़ार्मेसी स्टोर पर भी कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं।

अपोलो एसबीआई कार्ड सेलेक्ट कार्डधारक अपोलो 24|7 ऐप और अपोलो फ़ार्मेसी स्टोर के माध्यम से फ़ार्मेसी उत्पादों, स्वास्थ्य जांच पैकेजों, रक्त परीक्षणों और अन्य सहित लेनदेन पर एक रिवार्डिंग खरीदारी अनुभव का आनंद लेते हैं। कार्डधारकों को रिवॉर्ड पॉइंट के रूप में 10% वापस मिलता है, और इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य क्रेडिट के रूप में 15% तक वापस मिलता है, जिससे उन्हें कुल 25% तक का मूल्य वापस मिलता है। रिवॉर्ड पॉइंट्स को हेल्थ क्रेडिट में बदला जा सकता है, जिसे अपोलो 24|7 ऐप और अपोलो फ़ार्मेसी स्टोर की संपूर्ण उत्पाद श्रृंखला में भुनाया जा सकता है।

अपोलो एसबीआई कार्ड सेलेक्ट कार्ड ग्राहकों को वेलकम बेनिफिट के रूप में 1,500 का ई-गिफ्ट वाउचर मिलता है, जिसे अपोलो 24|7 ऐप और अपोलो फ़ार्मेसी स्टोर पर भुनाया जा सकता है। वे अपोलो सर्कल बेनिफिट्स का भी आनंद लेते हैं जो अपोलो प्लेटफॉर्म पर डॉक्टर परामर्श, डॉयग्नॉस्टिक परीक्षण और फार्मेसी ऑर्डर पर सेवाओं और विशेष छूटों तक प्राथमिकता पहुंच प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, अपोलो एसबीआई कार्ड सेलेक्ट कार्ड ग्राहकों को पूरे भारत में जिम, फिटनेस कक्षाओं और कल्याण कार्यक्रमों के एक विस्तृत नेटवर्क तक पहुंच प्रदान करने वाली एक कांप्लीमेंट्री 1-वर्षीय फिटपास प्रो सदस्यता भी मिलती है।

एसबीआई कार्ड की एमडी एवं सीईओ, सुश्री सलिला पांडे, ने कहा, 'एसबीआई कार्ड में, हम आज के जागरूक उपभोक्ताओं की बदलती खर्च की जरूरतों और आकांक्षाओं को समझते हैं जो अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अपोलो हेल्थको के साथ अपोलो एसबीआई कार्ड सेलेक्ट कार्ड पेश करने के लिए हमारा सहयोग इस आवश्यकता के अनुरूप है। विचारशील स्वास्थ्य सेवा लाभ और मूल्यवान रिवार्ड्स प्रदान करके, हमारा उद्देश्य अपने ग्राहकों को विभिन्न वित्तीय लाभों का आनंद लेते हुए, अपने स्वास्थ्य और कल्याण लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने के लिए सशक्त बनाना है।' अपोलो हेल्थको की कार्यकारी अध्यक्ष, सुश्री शोभना कामिनेनी, ने कहा, 'अपोलो एसबीआई क्रेडिट कार्ड के साथ, हम एक क्रांतिकारी वित्तीय उत्पाद पेश कर रहे हैं जिसे स्वास्थ्य और कल्याण को रोजमर्रा की जिंदगी के साथ निर्बाध रूप से जोड़ने के लिए डिज़ाइन किया गया है। रोजमर्रा के खर्च को स्वास्थ्य निवेश में बदलकर, हम देखभाल तक पहुंच को निर्बाध, सहज और किफायती बना रहे हैं। यह कहने का हमारा ढंग है कि स्वास्थ्य सेवा अर्जित की जानी चाहिए, बचाई जानी चाहिए और उतनी ही आसानी से प्राप्त की जानी चाहिए जितनी कोई अन्य आवश्यक चीज। यह स्वास्थ्य का भविष्य है— और हमें एसबीआई कार्ड के साथ इसे बनाने पर गर्व है। साथ मिलकर, हम देश के स्वास्थ्य रक्षक बनेंगे।' अपोलो एसबीआई कार्ड सेलेक्ट कार्ड विभिन्न लाइफस्टाइल और यात्रा लाभ भी प्रदान करता है। ग्राहक 3 लाख के वार्षिक खर्च प्राप्त करने पर खर्च-आधारित वार्षिक शुल्क वापसी का लाभ उठा सकते हैं।

शॉट न्यूज

सिंगापुर सिटी अंडरपास पांच दिन के लिए रेलवे ने किया बंद

इंदौर। मांगलिया स्टेशन यार्ड के पास स्थित सिंगापुर सिटी के अंदर पास को रेलवे ने पांच दिनों के लिए बंद कर दिया है। बताया जा रहा है कि अंडरपास में नए अतिरिक्त बॉक्स डालने के लिए इसे बंद किया गया है। हालांकि इससे होने वाली सुविधाओं के लिए रेलवे ने वैकल्पिक व्यवस्था भी की है। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी खेमराज मीना ने बताया कि सिंगापुर सिटी अंडरपास को 16 से 20 मई तक के लिए बंद किया गया है। यह अस्थाई बंद अंडरपास पर अतिरिक्त नए बॉक्स डालने के कार्य के चलते किया है।अंडरपास आवागमन लिए अस्थाई रूप 16 मई से 5 दिन के लिए बंद रहेगा। इसके कार्य के होने से दो रास्ते बन जाएंगे जिससे रोड यूजरों के लिए आवागमन सुगम हो जाएगा। इस दौरान रोड यूजर वैकल्पिक मार्ग इनडस स्टेलाइट कालोधाला व मांगलिया सड़क से आवागमन कर सकते है।

कॉलेज की फेयरवेल पार्टी में छात्रों के बीच मारपीट

इंदौर। कनाड़िया इलाके में निजी कॉलेज के छात्रों की फेयरवेल पार्टी में नाचने के दौरान छात्रों के बीच मारपीट की घटना सामने आई हैं। पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। घटना कनाडिया थाना अंतर्गत होटल राज वृंदावन में हुई। पुलिस ने फरियादी यश पिता शेखर 21 साल मूल निवासी मुरैना हाल मुकाम महालक्ष्मी नगर की रिपोर्ट पर आदित्य यादव कुणाल पटेल देवांश यादव और अन्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस को दर्ज कराई रिपोर्ट में यश ने बताया कि सेवा कुंज अस्पताल के पास स्थित होटल में कॉलेज द्वारा फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया था। यश के मुताबिक में नाच रहा था तभी आदित्य यादव को धक्का लग गया इसी बात को लेकर आदित्य ने गालियां दी। गाली देने से मना किया तो उसने मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान उसके साथी कुणाल पटेल आदि आ गए सभी ने मिलकर बेल्ट से बेरहमी से मारपीट की जिसमें उसके चेहरे कमर और पीठ पर चोट आई है।

राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की प्रतिमा का समाजजनों ने किया अवलोकन

इंदौर। गौपुर चौराहे पर 1.51 करोड़ रुपए की लागत से राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की वाटिका एवं प्रतिमा स्थल निर्माण के साथ ही चौराहे के सौंदर्यकरण के कार्य का निरीक्षण किया। चौराहे के पास स्थित ग्रीन बेल्ट पर धातु से निर्मित प्रतिमा का निर्माण किया जा रहा है। प्रतिमा का निर्माण कार्य, प्रतिमा की स्थापना, प्रतिमा के लिए पेडस्टल का विकास, कास्ट आयरन रेलिंग एवं लाइट पोल की स्थापना, निर्माण विकास कार्य सौंदर्यीकरण का कार्य किया जाएगा। गोपुर कॉलोनी चौराहे पर निरीक्षण करने के दौरान एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर द्वारा अधिकारी, कंसल्टेंट-मूर्ति बनाने वाले ठेकेदार को शीघ्र कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। राठौर समाज के जितेंद्र राठौर (तेली), टिकम राठौर, राकेश राठौर, प्रेमलाल राठौर, हरीश राठौर लड्डू भैया, चन्द्रपाल राठौर, दीपक राठौर, संजु मित्र सहित अन्य मौजूद रहे।

जोरों पर तैयारियां : प्रायोरिटी कॉरिडोर पर एक साथ दोनों दिशाओं में होगा संचालन

मेट्रो को पीएम मोदी दिखाएंगे हरी झंडी, शुरुआत में मिलेगी फ्री यात्रा

संवाददाता ● इंदौर

मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर संचालन के लिए मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने अपनी तैयारियों में तेजी ला दी है। हालांकि इंदौर मेट्रो के कॉमर्शियल रन की तारीख अभी तय नहीं हुई है, लेकिन यह लगभग तय हो गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसे हरी झंडी दिखाएंगे।

संचालन

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पीएम मोदी 20 मई को वर्चुअली शामिल होकर मेट्रो को हरी झंडी दिखा सकते हैं। फिलहाल सरकार और मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की ओर से इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। सीएमआरएस (कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेलवे सेफ्टी) की टीम पहले ही मेट्रो को हरी झंडी दे चुकी है और ओके रिपोर्ट सौंप दी है। मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के अनुसार, इंदौर मेट्रो की शुरुआत प्रायोरिटी कॉरिडोर पर गांधी नगर से स्टेशन नंबर 3 तक होगी। इस दौरान मेट्रो दोनों तरफ से 25-25 फेरे लगाएगी, यानी कुल 50 ट्रिप होंगी। मेट्रो का संचालन गांधी नगर स्टेशन और सुपर कॉरिडोर स्टेशन नंबर 3 से एक साथ किया जाएगा। सुबह 8 बजे से मेट्रो दोनों दिशाओं में चलना शुरू करेगी और रात 8 बजे तक चलेगी। कॉमर्शियल रन के दौरान हर 30 मिनट के अंतराल पर एक मेट्रो कोच सेट का संचालन किया जाएगा, जिसकी समयावधि यात्रियों की संख्या के अनुसार घटाई-बढ़ाई जा सकेगी।

किराया न्यूनतम 20 और अधिकतम 80 – मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने किराये को पांच जोन में विभाजित किया है, जिसके अंतर्गत इंदौर मेट्रो के कुल 28 स्टेशन आएंगे। मेट्रो का न्यूनतम किराया 20 रुपए जबकि अधिकतम 80 रुपए तय किया गया है। हालांकि शुरुआत में जो प्रायोरिटी कॉरिडोर चालू होगा, उसमें न्यूनतम किराया 20 रुपए और अधिकतम किराया 30 रुपए रखा गया है। किराया निर्धारण जोन के आधार पर किया गया है जिससे यात्रियों को दूरी के हिसाब से भुगतान करना होगा।

हर स्टेशन पर 2-5 मिनट में पहुंचेगी मेट्रो

इंदौर मेट्रो के यलो लाइन प्रायोरिटी रुट की कुल लंबाई 5.9 किलोमीटर है, जिसमें पांच स्टेशन शामिल हैं। कॉमर्शियल रन के दौरान मेट्रो हर स्टेशन पर सिर्फ 2 से 5 मिनट के अंतराल में पहुंचेगी। वर्तमान में मेट्रो की टेस्टिंग मेट्रो डिपो से सुपर कॉरिडोर स्टेशन नंबर 3 तक दिन-रात की जा रही है। सीएमआरएस द्वारा 24-25 मार्च को मेट्रो का अंतिम निरीक्षण किया गया था। सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर में गांधी नगर स्टेशन से लेकर टीसीएस चौराहा तक कुल पांच स्टेशन तैयार हैं, जिनमें सभी आधुनिक सुविधाएं जैसे लिफ्ट, एस्कलेटर, प्लेटफॉर्म और इलेक्ट्रिकल सेक्शन उपलब्ध कराए जा चुके हैं। ट्रेन को न्यूनतम और अधिकतम गति पर चलाकर भी जांच की जा चुकी है।

जल गंगा संवर्धन अभियान 2.0 का उद्घाटन

जल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया सम्मानित

संवाददाता ● इंदौर

नगर निगम द्वारा जल संरक्षण को लेकर जल गंगा संवर्धन अभियान के दूसरे संस्करण का नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा शुभारंभ किया। साथ ही जल मंथन कार्यशाला रवींद्रनाट्य गृह में संपन्न हुई। इस अवसर पर विधायक रमेश मेंदोला, आयुक्त शिवम वर्मा, महापौर परिषद सदस्य, पार्षद, अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। शुरुआत जल संरक्षण पर आधारित प्रेरणादायक जल एंथम 'बचाओ बहाओ न जल...' के साथ हुई, जिसमें प्रख्यात कथक नृत्यांगना रागिनी मक्खर ने भावपूर्ण प्रस्तुति दी। जल संरक्षण पर किए गए कार्यों पर आधारित डाक्यूमेंट्री का प्रदर्शन भी किया गया तथा सभी को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। मंत्री द्वारा जल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्ति एवं संस्थाओं को सम्मानित किया गया जिनमें उदय प्रताप सिंह, मालविका चंद, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, अवंतिका गैस, मोयरा सरिया और अन्य शामिल थे।

शुभारंभ

मुख्य वक्ताओं ने कहा...

कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा: "इंदौर देश के लिए उदाहरण बन चुका है। शहर को चलाने के लिए दंड और पुरस्कार दोनों जरुरी हैं। जल संरक्षण करने वालों को टैक्स में छूट मिले और जो नहीं कर रहे हैं, उन पर जुर्माना लगाया जाए। सभी पार्षद अपने-अपने वार्ड में कम से कम 500 वर्षा जल संग्रहण कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा "इंदौर के तालाब, बावड़ियां और कुएं हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। इन सभी जल स्रोतों को अतिक्रमण से मुक्त कर उनका जीर्णोद्धार किया जाना जरुरी है, जल है तो कल है – इसी भावना से हमें इस अभियान को आगे बढ़ाना है।" महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा:"इंदौर को जल संरक्षण में भी नंबर वन बनाना है। हमारी भयावह जल स्थिति को देखते हुए हमें डर के साथ काम करना होगा। 300वीं देवी अहिल्या शताब्दी के अवसर पर जनभागीदारी से 300 रिचार्ज शाफ्ट लगाए जाएंगे। यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।"

सेना के पराक्रम की गाथा लेकर ड्रीमलैंड चौराहे से निकलेगी यात्रा

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नागरिक कार्यक्रम के अंतर्गत इंदौर जिले में ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा 18 को

संवाददाता ● इंदौर

भारतीय सेना के पराक्रम और अदम्य साहस के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' की अभूतपूर्व सफलता और सेना के सम्मान में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नागरिक 'तिरंगा यात्रा' की तैयारी को लेकर महू के चोपड़ा वाटिका में भाजपा इंदौर जिला एवं संयुक्त मोर्चो की बैठक हुई। इसमें भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा, विधायक उषा ठाकुर, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गोपाल सिंह चौधरी, देवराजसिंह परिहार, कंचनसिंह चौहान, अशोक यादव, भारत सिंह चौहान, यात्रा संयोजक घनश्याम नारोलिया, सह-संयोजक दिनेश चौहान और अन्य मौजूद रहे। इंदौर जिले में 18 मई को सुबह 10 बजे महू में ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी।

आयोजन

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य भारतीय सैनिकों का मनोबल बढ़ाना और उन्हें धन्यवाद देना है। उन्होंने कहा पाकिस्तानी आतंकवादियों ने पहलगाम में जिस तरह से कायराना हमला कर निर्दोष लोगों की जान ली और इस कायराना हरकत से पूरे देश में आक्रोश था। पीएम मोदी के नेतृत्व में हमारे देश की सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान की सीमा में घुसकर आतंकी अड्डों को नेस्तनाबूद करने का काम किया। पूरी दुनिया ने भारत और हमारी सेना का पराक्रम देखा। ऑपरेशन सिंदूर यह सिर्फ एक अभियान नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया को संदेश है कि आतंकवाद को भारत किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर की सफ़लता और सेना के पराक्रम को सम्मान देने के लिए आम नागरिकों द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है, जो देशभक्ति, वीर जवानों के सम्मान और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बनेगी। यात्रा में सभी समाज, विभिन्न संगठन, संस्थाओं के पदाधिकारी और अन्य लोग शामिल होंगे।

पाक के संरक्षण में आतंक के अड्डे

विधायक उषा ठाकुर ने कहा भारतीय सेना ने जिस तरह पाकिस्तान के संरक्षण में पल रहे आतंकी अड्डों को सीमा के अंदर घुसकर तहस नहस किया है, उससे पाकिस्तान बौखला उठा, उसकी सेना ने ड्रोन के माध्यम से भारत पर हमला बोलने की कोशिश की लेकिन हमारी जांबाज सेना ने उसके मंसूबे को नाकाम कर दिया। हमारी एयर फोर्स ने उसके एयर बेस को निशाना बनाकर उसकी हेकड़ी निकाल दी। तब जाकर पाकिस्तान ने सीज फायर की गुहार लगाई। मां भारती के लालों ने भारत माता का शीश ऊंचा करने का काम किया है। यात्रा संयोजक घनश्याम नारोलिया ने बताया कि यात्रा ड्रीमलैंड चौराहे से सुबह 10 बजे प्रारंभ होगी। इसके पश्चात कंटोनमेंट गर्ल्स स्कूल से हरि फाटक होते हुए पुनः ड्रीमलैंड चौराहे पहुंचेगी। तिरंगा यात्रा में पूर्व सैनिक प्रतिभावान खिलाड़ी, अनेक सामाजिक, महिला युवा और आमजन हाथ में राष्ट्रीय झंडा लेकर देशभक्ति के नारे लगाते हुए यात्रा में शामिल होंगे। बैठक को अशोक यादव, गोपाल सिंह चौधरी, शैलेष गिरजे ने भी संबोधित किया।

निगमायुक्त ने किया जल गंगा अभियान के तहत कुएं-बावडी का निरीक्षण

सफाई के बाद कुएं-बावड़ियों में पानी की आवक शुरू

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आव्हान पर शहर में जल गंगा संवर्द्धन अभियान के तहत प्राचीन कुऐं-बावडी की सफाई तथा संरक्षण के लिये लगातार कार्य किया जा रहा है, इसी क्रम में आज निगमायुक्त शिवम वर्मा द्वारा झोन क्रमांक 03 व 09 में स्थित कुएं-बावड़ी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा, क्षेत्रीय झोनल अधिकारी आकाश जैन, राज ठाकुर, राम गुप्ता व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री के आह्वान पर प्रदेशभर में जल गंगा संवर्द्धन अभियान के तहत शहर में स्थित प्राचीन कुऐं-बावडी व तालाबो की सफाई व संरक्षण के लिय नगर निगम इंदौर द्वारा लगातार किया जा रहा है, इसी क्रम में आज आयुक्त वर्मा द्वारा सुबह झोन क्रमांक 03 के अंतर्गत बक्षीबाग स्थित प्राचीन बावड़ी में निगम द्वारा किये गये सफाई व संरक्षण कार्या का अवलोकन किया गया, इसके पश्चात आयुक्त वर्मा द्वारा झोन क्रमांक 03 के अंतर्गत तीन ईमली क्षेत्र में स्थित अमन कचहरी क्षेत्र में स्थित बावड़ी का भी अवलोकन किया गया, यहां पर सफाई कार्य में संलग्न कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये गये। इसके साथ ही आयुक्त वर्मा द्वारा झोन क्रमांक 09 के अंतर्गत वल्लभ नगर स्थित बावडी का अवलोकन किया गया, यहां पर बावड़ी की सफाई के साथ ही बावडी के आस-पास से अतिक्रमण हटाने का भी कार्य किया गया, जिसके परिणाम स्वरूप बावडी पुर्नजीवित हो गई और बावड़ी में पानी की आवक भी प्रारम्भ होने से बावड़ी का जल स्तर बढ़ता दिखा, इस पर आयुक्त वर्मा द्वारा शहर की अन्य बावडी-कुएं की सफाई कार्य को तेजी से करने तथा वर्षाकाल के पूर्व ही समस्त कार्य समय सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये।

शिकायत पेटियां लगाकर दी जाएंगी सुविधा भी

एमवाय अस्पताल के विभागों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

संवाददाता ● इंदौर

प्रदेश के सबसे बड़े एमवाय अस्पताल के विभिन्न विभागों और अन्य जगह सीसीटीवी कैमरा लगाए जाएंगे। भ्रष्टाचार की शिकायत और जागरूकता के लिए पोस्टर और शिकायत पेटियां भी लगाई जाएगी। नर्सिंग एसोसिएशन की मांग पर एमजीएम मेडिकल कॉलेज के दिन और अस्पताल की प्रबंध कार्यकारिणी की सहमति पर यह कार्य किया जाएगा। जानकारी अनुसार अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग डे पर हुए नर्सिंग एसोसिएशन के कार्यक्म में एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ अरविंद घनघोरिया से नर्सिंग एसोसिएशन द्वारा इस प्रकार की मांग की गई। इसे एमवाय अस्पताल की कार्यकारणी समिति ने मान लिया है। एमवाय अस्पताल में कई बार सुरक्षा का मुद्दा उठ चुका है और पूर्व में कई ऐसी घटनाएं भी हो चुकी है, जिससे कैमरे के निगरानी की अत्यंत आवश्यकता महसूस हुई है। नर्सिंग एसोसिएशन की मांग पर अब भ्रष्टाचार शिकायती पोस्टर भी एमवाय अस्पताल के विभागों और वार्डों में लगेंगे। उल्लेखनीय है कि एमवाय अस्पताल में कई बार मरीजों और कर्मचारियों से रिश्वत मांगने की शिकायते आती रहती हैं, जिससे विभागों और व्यवस्थाओं का वातावरण खराब बना रहता है। इसी की रोकथाम के लिए मेडिकल कॉलेज के डीन डा घंघोरिया अब कैमरे और भ्रष्टाचार शिकायती पोस्टर लगवा रहे है जिसकी निगरानी समिति करेगी।

लालबाग परिसर जो 72 एकड़ के विशाल भू-भाग में फैला है। इसमें चार एकड़ में होलकर राजवंश का मुख्य महल है

लालबाग के गार्डन को संवारने की सौगात जल्द मिलने की उम्मीद

संवाददाता ● इंदौर

शहर में 20 मई को होने वाली राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में नगर के ऐतिहासिक लालबाग पैलेस के गार्डन को संवारने की सौगात मिलने वाली है। लालबाग के बगीचे को भव्य रूप देने की समय -समय पर योजना बनती रहती है पर उस पर धरातल पर कार्य नहीं हो पाता। अब एक बार फिर यह सिलसिला शुरू हो रहा है। लालबाग परिसर किसी समय गुलाब गार्डन के नाम से जाना जाता था, लेकिन देखरेख के अभाव में यह सुंदर गुलाब उद्यान लापरवाही की भेंट चढ़ गया।

सौगात

लालबाग परिसर जो 72 एकड़ के विशाल भू-भाग में फैला है। इसमें चार एकड़ में होलकर राजवंश का मुख्य राजप्रासाद यानी महल निर्मित है। कभी इस लालबाग मैदान में सुंदर बगीचे हुआ करते थे इसमें प्रमुख रूप से भव्य गुलाब चक्कर गार्डन भी था। इस गुलाब गार्डन में विदेशों से बुलवाई कई प्रजातियां थीं।लालबाग परिसर मे गुलमोहर के पेड़ इसकी लालिमा को बरक़रार रखते हैं।

600 किस्म के गुलाब थे

लालबाग के इस गुलाब गार्डन में 600 से अधिक गुलाब की किस्म के गुलाब लगे थे। समय और वक्त के साथ यह गुलाब गार्डन नष्ट हो गया। वक्त का तकाजा है कि जब लाल बाग के बगीचों को सुंदर बनाए जाने के स्थान पर गुलाब गार्डन ही बनाया जाए। लालबाग में स्थित प्राचीन कुएं और बावड़ी के साथ बगीचों के लिए पर्याप्त स्थान भी हैं। ऐसे में विलुप्त हो चुके गुलाब गार्डन को पुनर्जीवित किया जाना चाहिए, क्योंकि गुलाबों के प्रति हर व्यक्ति का स्नेह जगजाहिर है।

संपादकीय

सिंदूर, तिरंगा और एक फैसला

हलगाम में आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर ने पूरे देश में देशभक्ति का एक नया जज्बा पैदा कर दिया है और पाकिस्तान विरोधी एक ऐसा माहौल बन गया है जिसमें सरकार पर यह दबाव था कि वह पाकिस्तान के खिलाफ बड़ी लड़ाई लड़े लेकिन अमेरिकी हस्तक्षेप के बाद सीजफायर हो गया और इस सीजफायर को लेकर भी देश में एक भिन्न स्तर पर देशभक्ति की लहर पैदा हुई। और अब देशभक्ति की लहर का एक नया रूप तिरंगा यात्रा के रूप में भी देखा जा सकता है। पहलगाम से लेकर इंदौर तक तिरंगा यात्रा में नागरिकों का जबर्दस्त उत्साह देखा गया। भारतीय जनता पार्टी 13 मई से 23 मई तक देश भर में 'तिरंगा यात्रा' अभियान चला रही है। 10 दिन चलने वाली इस राष्ट्रव्यापी यात्रा का मकसद हाल ही में सफल रह 'ऑपरेशन सिंदूर' की उपलब्धियों को हर नागरिक तक पहुंचाना है। भारतीय जनता पार्टी इस अभियान के जनता को यह बता रही है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत ने कैसे अपने अपने नागरिकों को संकट से बाहर निकाला और राष्ट्रीय स्वाभिमान को मजबूत किया। अब खबर है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के सांसद दुनियाभर में पाकिस्तान को बेनकाब करेंगे। भारत सरकार ने पाकिस्तान की करतूत दुनियाभर के सामने उजागर करने के लिए अगले सप्ताह सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को अलग-अलग देशों की यात्रा के लिए भेजने का फैसला लिया है। बताया जा रहा है कि कम से कम 30 सांसदों को 10 दिन के लिए अलग-अलग देशों की यात्रा पर भेजा जाएगा। इसे लेकर सरकार ने विपक्ष सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसदों से बात की है। कुछ दलों ने अपने सांसदों को भेजने की मंजूरी भी दे दी है। जाहिर है भारत ने पाकिस्तान की आतंकी गतिविधियों और हमलों और नरसंहार के खिलाफ एकजुटता दिखाई है और अब अतंरराष्ट्रीय स्तर पर उसे इस मामले में बेनकाब करने की एक रणनीतिक और कूटनीतिक मुहिम चलाई। इस देशभक्ति एक पक्ष यह है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद बाज़ार ने इस देशभक्ति को भुनाने की कोशिशें भी शुरू कर दी है। और जाहिर है इसके पीछे देशभक्ति नहीं, देशभक्ति के पीछे मुनाफा कमाने की मंशा ही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भले ही अपने दिए बयानों से पलट रहे हों लेकिन यह बात तो जगजाहिर है कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर के मुद्दे का अंतराष्ट्रीयकरण करने की कोशिशें करता रहा है और अब वह पहलगाम से लेकर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी उसके बाद भी लगातार झूठ बोल रहा है। वह दुनिया को तथ्यों से अलग जाकर एक मनगढ़ंत कहानी गढ़ रहा है। लेकिन भारत का रूख स्पष्ट है कि वह पाकिस्तान की इन कोशिशों को बेनकाब करना चाहता है। इसलिए भारत सरकार ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को विभिन्न देशों की यात्रा पर भेजने का फैसला लिया है। ये सांसद 10 दिन के लिए सरकार द्वारा निर्धारित देशों के विभिन्न ब्लॉकों का दौरा करेंगे। यह अच्छी बात है कि इस प्रतिनिधिमंडल में भाजपा, कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके, एनसीपी (एसपी), जेडीयू, बीजेडी, सीपीआई (एम) के और कुछ अन्य पार्टियों के सांसद इसमें शामिल होंगे। जाहिर है ऐसे समय सभी पार्टियों के सांसदों का इस तरह शामिल होना एक शुभसंकेत है क्योंकि यह एक राष्ट्रीय मामला है और पाकिस्तान के खिलाफ इस अभियान को बेहतर ढंग से अंजाम दिया जाना है। हालांकि कांग्रेस के जयराम रमेश ने इस मुहिम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अचानक प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान से आतंकवाद पर भारत का रुख स्पष्ट करने के लिए बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश भेजने का फैसला किया है। कांग्रेस हमेशा सर्वोच्च राष्ट्रीय हित में रुख अपनाती है और भाजपा की तरह कभी भी राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों का राजनीतिकरण नहीं करती। कांग्रेस जरूर प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होगी।

कही-सुनी

• शब्दार्थ | **उदधि : समुद्र**

समंदर, वारिधि, पारावार, नदीश, पयोधि।

• कहन | **तीसरा नेत्र खुल जाना : अत्यधिक क्रोधित**

पाकिस्तान के खिलाफ भारत का तीसरा नेत्र खुल चुका है।

कविता

अमेरिका

इस पेड़ पर चिड़ियों का घोंसला
किसकी इच्छा से है
किसकी मर्ज़ी से गिलहरियां डाल-डाल पर चहलक़दमी कर रही हैं

आख़िर इस पेड़ की पत्तियां किसकी अनुमति से हरी हैं
इस पेड़ में जो फूल लगे हैं
उन्हें फल बनने से पहले अवश्य ही पूछना पड़ेगा

हवा चलने पर इस पेड़ के सरसराने का
क्या मतलब है
यह पेड़ हर किसी को छाया भी कैसे दे सकता है

इस पेड़ की जड़ें तो होनी ही नहीं चाहिए थीं
इसे जल्द से जल्द धरती को चीरने का
अपराधी घोषित किया जाना चाहिए

निश्चित रूप से यह पेड़ पूरी तरह तानाशाही पर
उतर आया है
अब इसे उखाड़ फेंकना बहुत ज़रूरी है

हरि मृदुल

कवि हरि मृदुल महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी का 'संत नामदेव पुरस्कार' और 'हेमंत स्मृति कविता सम्मान' से सम्मानित हैं। 'सफेदी में छुपा काला', 'जैसे फूल हज़ारी' और 'बदले वक्त के मापक यंत्र' उनके कविता संग्रह प्रकाशित हैं।

ट्रेंडिंग ऑन टॉप

#trump

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम में मध्यस्थता का दावा करने वाले अपने बयान से अब पलट गए हैं। कतर में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मैंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को दूर में मदद की थी। कतर में अल-उदीद एयर बेस पर अमेरिकी सैन्य कर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कहना चाहता कि मैंने मध्यस्थता की, लेकिन मैंने पिछले सप्ताह पाकिस्तान और भारत के बीच समस्या को सुलझाने में मदद की, जो अधिक से अधिक शत्रुतापूर्ण होती जा रही थी। यह छठी बार है जब ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच युद्धविराम कराया। ट्रंप ने कहा कि अचानक आपको एक अलग प्रकार की मिसाइलें दिखाई देने लगेंगी। हमने इसे सुलझा लिया है। मुझे उम्मीद है कि मैं यहां से बाहर नहीं जाऊंगा और दो दिन बाद यह पता चलेगा कि यह सुलझा नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि यह सुलझा हुआ है। ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि उन्होंने दोनों देशों से व्यापार के बारे में बात की। ट्रंप ने कहा कि मैंनें दोनों देशों से कहा कि युद्ध के बजाय व्यापार करें। पाकिस्तान इससे बहुत खुश था और भारत भी इससे बहुत खुश था। मुझे लगता है कि वे इस रास्ते पर हैं। सभी जानते हैं कि वे लगभग एक हजार साल से लड़ रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि आप सभी जानते हैं कि मैं कुछ भी सुलझा सकता हूं। चलो उन सभी को एक साथ लाते हैं। भारत पाकिस्तान कब से लड़ रहे हैं? लगभग 1,000 साल से। लेकिन हमने इसे सुलझा लिया। कोई भी भारत पाकिस्तान तनाव से बहुत खुश नहीं था। ऐसा लग रहा था कि यह वास्तव में नियंत्रण से बाहर होने वाला था। बीते शनिवार को ट्रंप ने घोषणा की थी कि भारत और पाकिस्तान एक 'पूर्ण और त्वरित संघर्षविराम' पर सहमत हो गए हैं, जो अमेरिका की मध्यस्थता में पूरी रात की बातचीत के बाद हुआ। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करके भारत और पाकिस्तान के बीच 'एतिहासिक और साहस भरा' समझौता करवाने का श्रेय अमेरिका को दिया।

पड़ोस

क्या टू नेशन थ्योरी के आधार पर बना कृत्रिम राष्ट्र पाकिस्तान अब कई राष्ट्र वाला बनने जा रहा है? हाल ही में बलूचिस्तान ने अपना झंडा लहरा दिया है। तब क्या 1971 में जो बांग्लादेश था वह 2025 का बलूचिस्तान होगा ? अब जिसने पाकिस्तान में विध्वंस मचा रखा है, वह बलूचिस्तान है।

पाक में बलूचिस्तान : देश भीतर देश

क्या टू नेशन थ्योरी के आधार पर बना कृत्रिम राष्ट्र पाकिस्तान अब कई राष्ट्र वाला बनने जा रहा है? हाल ही में बलूचिस्तान ने अपना झंडा लहरा दिया है। तब क्या 1971 में जो बांग्लादेश था वह 2025 का बलूचिस्तान होगा ? पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष आसिफ़ मुनीर ने कश्मीर को अपने गले की नस बताया था लेकिन सच्चाई यह है कि अब जिसने पाकिस्तान की नाक में विध्वंस मचा रखा है, वह बलूचिस्तान है। एक बलोच नेता मीर यार बलूच ने बलूचिस्तान को आज़ाद घोषित कर दिया है बाक़ायदा अपने एक झंडे और राष्ट्रगीत के साथ। बलूच जनजाति का संघर्ष यूं तो सदियों पुराना है लेकिन कुछ समय से यह सतह पर है जिसका जन्म पाकिस्तान बनते ही हो गया था। पाकिस्तान ने हमेशा इस संघर्ष को विद्रोह मानकर कुचलने की कोशिश की। देश का सबसे बड़ा और संसाधनों के हिसाब से बेहद समृद्ध हिस्सा होने के बावजूद बलूचिस्तान को कोई तवज्जो नहीं मिली। यूं पाकिस्तान में पहले दिन से ही पंजाब मूल के हुक्मरानों, सेनाध्यक्षों और बुद्धिजीवियों का दबदबा रहने से उसके अन्य हिस्से छिटके ही रहे। सिंध, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान जैसे सूबे हमेशा विकास से कटे रहे।नतीजतन वहां की जनता आज भी ग़रीबी और अशिक्षा से ग्रस्त है। उस पर दुविधा यह है कि पाकिस्तान पर राज करने वाले कभी परवाह भी नहीं करते कि इन विद्रोहियों से बातचीत कर कोई रास्ता निकाला जाए।

वर्षा भम्भाणी मिर्ज़ा

वरिष्ठ पत्रकार

> 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद एक बलोच नेता मीर यार बलूच ने बलूचिस्तान को आज़ाद घोषित कर दिया है। बाक़ायदा अपने झंडे और राष्ट्रगीत के साथ। बलूच जनजाति का संघर्ष कुछ समय से सतह पर है जिसका जन्म पाकिस्तान बनते ही हो गया था।

बलूचियों को यह भी लगता है कि पाकिस्तान ने अपने बदहाल आर्थिक तंत्र को दुरुस्त करने के लिए चीनियों को उनके इलाके में बुला लिया है। चीन ने 62 अरब डॉलर का भारी निवेश किया है और वह बलूचिस्तान में ग्वादर पोर्ट को संचालित करता है। चाइना-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (सीपैक) के तहत इस बंदरगाह से चीन जहां दुनिया से जुड़कर अपना माल बेचने की राह आसान करता है, वहीं बलूची मानते हैं कि यह उनकी आज़ादी में दख़ल है और उनकी ज़मीन पर कब्ज़े की साज़िश है। चीन का विस्तारवादी अतीत भी उन्हें ऐसा सोचने पर मजबूर करता है। बलूचिस्तान न केवल पाकिस्तान का सबसे बड़ा राज्य है बल्कि प्राकृतिक गैस, सोना, तांबा, रेडियम जैसे कई महत्वपूर्ण खनिजों के भंडार भी वहां हैं। पहले-पहल सिंगापुर की एक कंपनी इसका संचालन कर रही थी, फिर चीन ने इसे अपने ही देश की कंपनी को दे दिया। चीन यहां काम करते रहने के लिए अपनी सेना रखना चाहता है क्योंकि छह महीने पहले उसके पांच इंजीनियर यहां मारे जा चुके हैं और बीते दस सालों की संख्या 60 से भी ज़्यादा है / पाकिस्तान के बारे में यह कहना ग़लत नहीं होगा कि अपने खस्ताहाल अर्थतंत्र को ज़िंदा करने के लिए चीन एक बड़े उत्प्रेरक के रूप में वहां काम कर रहा है और पाकिस्तान यह कीमत अपने सूबों का दमन करके दे रहा है। दमन का यह सिलसिला ऐसा रहा कि एमनेस्टी इंटरनेशनल की रपट के मुताबिक 2011 से अब तक दस हज़ार बलूच गायब कर दिए गए हैं।

पाकिस्तान के ख्यातिनाम पत्रकार हामिद मीर के लफ़्ज़ों में लिखी यह कहानी बताती है कि पाकिस्तानी शासक किस कदर बलूचियों के प्रति क्रूर रहे हैं। वे लिखते हैं- 'यह सिर्फ एक लड़की की कहानी नहीं है, बल्कि बलूचिस्तान की हजारों माताओं, बेटियों, बहनों और पत्नियों की कहानी है। सामी दीन को तब से जानता हूं, जब वह सिर्फ 10 साल की थी। उसके पिता डॉ. दीन मोहम्मद बलूच बलूचिस्तान के खुजदार जिले के ओरनाच में एक सरकारी अस्पताल में डॉक्टर थे। 28 जून 2009 को उन्हें पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बलूच अलगाववादियों के साथ संबंध होने के संदेह में गिरफ्तार कर लिया। लेकिन उन्हें कभी किसी अदालत में पेश नहीं किया गया। उनकी पत्नी और स्कूल जाने वाली दो बेटियों ने अदालत में याचिका दायर की, लेकिन उन्हें कभी न्याय नहीं मिला। एक दिन 10 साल की सामी अपने पिता के लिए आवाज उठाने इस्लामाबाद आई। मैंने उसे प्रेस क्लब के सामने देखा। उसके हाथ में अपने पिता की तस्वीर थी। वह बलूचिस्तान के अन्य लापता लोगों के परिवारों के साथ बैठी थी। सामी की बस यही मांग थी कि अगर उसके पिता किसी अवैध गतिविधि में शामिल हैं, तो उन्हें अदालत में पेश किया जाए, वरना रिहा किया जाए।'

हामिद आगे लिखते हैं- 'फरवरी, 2014 में, जब वह सिर्फ 15 साल की थी, एक ऐतिहासिक लॉन्ग मार्च का हिस्सा बनी। यह मार्च क्वेटा से कराची और फिर कराची से इस्लामाबाद तक (2,000 किलोमीटर) किया गया था, जिसमें बलूचिस्तान में जबरन गायब किए गए लोगों के मुद्दे को उठाया गया था। इस मार्च की अगुवाई सामी के मामा 72 वर्षीय कदीर बलोच कर रहे थे। जब वे इस्लामाबाद पहुंचे, तो मैंने अपने टीवी शो में मामा कदीर और सामी को आमंत्रित किया, लेकिन मेरे शो से कुछ मिनट पहले पाकिस्तानी सेना के तत्कालीन प्रवक्ता जनरल असीम सलीम बाजवा मेरे ऑफिस आए और मुझसे इंटरव्यू न लेने के लिए कहा। मैंने मना कर दिया। शो के दौरान जब ब्रेक हुआ, तो मुझे तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ का फोन आया, जो मेरा शो देख रहे थे। उन्होंने इन बलूच कार्यकर्ताओं से मिलने की इच्छा जताई। उसी रात मामा कदीर, सामी और अन्य प्रदर्शनकारियों को इस्लामाबाद से जबरन बाहर निकाल दिया गया। खुफिया एजेंसियों ने प्रधानमंत्री को कभी भी बलूच कार्यकर्ताओं से मिलने नहीं दिया। कुछ हफ्तों बाद कराची में मुझ पर एक जानलेवा हमला हुआ। मुझे छह गोलियां लगीं, लेकिन किस्मत से मैं बच गया। कुछ समय बाद नवाज शरीफ को सुप्रीम कोर्ट ने अयोग्य घोषित कर दिया।'

क्या यह घटना काफ़ी नहीं पाकिस्तान की उथल-पुथल को बताने के लिए? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भारत और पकिस्तान को एक ही पलड़े में रखकर युद्ध रुकवाने की बात कह देते हैं। भारत और पाकिस्तान को ही यह समझना होगा कि देश में या देश के बाहर, माहौल बातचीत से ही बदला जा सकता है। आपसी संवाद ही काम कर सकता है वरना दो बिल्लियों की लड़ाई में फ़ायदा सिर्फ बंदर का होता है जो सारी रोटी चट कर जाता है। इस माहौल में बलूच नागरिकों को भी लगता है कि दुनिया उनकी भी आवाज़ सुने। बलूच नेता मीर यार बलूच ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि बलूचिस्तान के लोगों ने अपना राष्ट्रीय फैसला ले लिया है। 'रिपब्लिक ऑफ़ बलूचिस्तान' एक स्वतंत्र राष्ट्र है और अब दुनिया को भी चुप नहीं रहना चाहिए। उन्होंने भारत समेत अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से समर्थन की अपील की है कि वे बलूचों को 'पाकिस्तान के लोग' कहना बंद करें। उन्होंने कहा कि हम अपनी नस्ल बचाने के लिए निकले हैं, आओ हमारा साथ दो। मीर ने कहा- 'पाकिस्तान के आतंकवादी व्यवहार के कारण बलूचिस्तान पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और संयुक्त राष्ट्र महासभा की आपातकालीन बैठक बुलानी चाहिए।'

सैंतीस बरस की करीमा बलूच वहां की जानी-मानी मानवाधिकार कार्यकर्ता थीं। बलूच राष्ट्रीय आंदोलन को महिलाओं के मध्य ले जाने का श्रेय उन्हें ही जाता है। रक्षाबंधन के मौक़े पर करीमा बलोच ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बलूचिस्तान में हो रहे मानवाधिकार उल्लंघन के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाने की अपील की थी। पाकिस्तान में हालात ख़राब होने लगे तब करीमा ने कनाडा में शरण ली, जहां से 22 दिसंबर 2020 को संदिग्ध परिस्थितियों में उनका शव बरामद किया गया। बलूचिस्तान में कई संगठन हैं जो अपनी आज़ादी के लिए लड़ रहे हैं। वे जब-तब अपनी उदारवादी सोच को ज़ाहिर भी करते हैं। बलूच लिबरेशन आर्मी ने एक ट्रेन को अगुआ कर चुन-चुन कर पाकिस्तानी सेना के जवानों को निशाना बनाया था। लड़ाई पुरानी है क्योंकि 1947 में बलूचिस्तान की एक रियासत कलात ने पाकिस्तान में शामिल होने से इनकार कर दिया था। उसने पाकिस्तान की आज़ादी से पहले ही खुद को आज़ाद घोषित कर दिया था। पाकिस्तानी सेना ने वहां हमला बोल दिया फिर एक समझौते के तहत मोहम्मद अली जिन्ना के साथ सहमति बनी कि दोनों में से कोई भी कहीं घुसपैठ नहीं करेगा। ऐसा हो नहीं पाया और बलूचिस्तान आज भी तकलीफ़ में ही है जो समय-समय पर ज़ाहिर होती रहती है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह और बढ़ी है।

इति-खास | 17 मई 1536 : हेनरी आठवें की पत्नी को मौत की सजा

इसी दिन 1536 में सम्राट हेनरी आठवें की पत्नी बोलइन को मौत के घाट उतार दिया गया था।

दैनिक अदित्य भारत
!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, शनिवार, 17 मई, 2025
www.adityabharat.com

जबलपुर में राज्य तीरंदाजी अकादमी का किया सीएम डॉ. यादव ने लोकार्पण

लाड़ली बहना योजना में अब तक 28 हजार करोड़ किए गए ट्रांसफर : सीएम

संवाददाता ● भोपाल

प्रदेश की सवा करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों को योजना की 24वीं किश्त जारी की गई है। हर महीने बहनों को 1250 रुपए राशि भेजकर हर माह रक्षाबंधन मनाया जा रहा है। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारे देश में नारियों के सम्मान की परम्परा अनादि काल से है। हमने जो वादा बहनों से किया था उसे लगातार निभा रहें है। हम भगवान श्रीराम की संस्कृति को मानने वाले हैं जो वचन देते हैं उसे प्राण देकर भी निभाते हैं। लाड़ली बहना को सम्मान देकर पूरा प्रदेश गौरवान्वित होता है। प्रदेश की लाड़ली बहनों को अब तक 28 हजार करोड़ से अधिक का लाभ मिल चुका है। सरकार के द्वार बहनों के लिए सदैव खुले हैं।

योजना

उन्होंने कहा कि बहन-बेटियों के खातों में पैसे पहुंचते हैं तो घर में लक्ष्मी बनी रहती है। भारत में पारिवारिक संस्कृति ऐसी है कि एक मां अपने हिस्से का भोजन बेटे को कराकर खुश होती है। भारत दुनिया का इकलौता ऐसा देश है, जहां भारत भूमि की पूजा मां के रूप में की जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को सीधी में विभिन्न योजनाओं के हितलाभ वितरण के साथ विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमि-पूजन समारोह को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए।

विंध्य, सेना का नेतृत्व करने वाला क्षेत्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि विंध्य क्षेत्र सेना का नेतृत्व करने वाला क्षेत्र है। थलसेना एवं नौसेना की कमान यहां से निकले 2 शीर्ष अफसरों के पास रहना गर्व का विषय है। भारतीय सैन्य बलों ने पराक्रम दिखाते हुए पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है। भारत ने पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों की हत्या का षडयंत्र रचने वाले आतंकियों का खात्मा कर 4 दिन पहले सीमा पर दिवाली मनाई। आतंकियों में भारतीय सेना का सामना करने का दम नहीं है। सेना ने पराक्रम से ऑपरेशन सिंदूर चलाकर दुनिया को सिंदूर का महत्व बताया है।

अन्य मदों में भी जारी की गई सहायता राशि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से प्रदेश की 1 करोड़ 27 लाख लाड़ली बहनों के खातों में 1551 करोड़ 89 लाख रुपए की राशि का अंतरण किया। सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 56 लाख 83 हजार हितग्राहियों के खातों में 341 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की गई. साथ ही 26 लाख से अधिक बहनों को सिलेंडर रिफिलिंग की 30 करोड़ 83 लाख रुपए राशि का ट्रांसफर की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रिमोट का बटन दबाकर सीधी जिले में 112 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रीवा-सीधी क्षेत्र के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

किसानों के खातों में भी भेजी राशि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक माह बहनों के खातों में लाड़ली बहना योजना, किफायती दरों पर एलपीजी सिलेंडर रिफिल कराने के लिए सहायता राशि अंतरित कर रही है। इसी के साथ किसानों को प्रधानमंत्री किसान कल्याण योजना और मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि का भी लाभ दिया जा रहा है। प्रदेश की बहनों के साथ-साथ किसान भाइयों के बैंक खातों में भी पैसे भेजे जा रहे हैं. प्रदेश के समग्र विकास के लिए इस वित्तीय वर्ष में 4 लाख 21 हजार करोड़ रुपए का बजट पेश किया गया है। राज्य सरकार ने प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2047 तक 22 लाख 50 हजार रुपए करने का संकल्प लिया है।

शॉट न्यूज

मुंह बोली बहन के घर आए युवक की हत्या

भोपाल। गोविंदपुरा में रहने वाली युवती के घर उसका मुंह बोला भाई मिलने आया था। लौटते समय मोहल्ले में रहने वाले युवकों ने उस पर कमेंट्स किया। इस बात को लेकर दोनों पक्षों में बहस हुई, इसके बाद तीन युवकों ने मिलकर लड़के की हत्या कर दी। पुलिस ने इस मामले में मर्डर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एक संदेही को हिरासत में ले लिया गया है। टीआई अवधेश सिंह तोमर ने बताया कि गोविंदपुरा के मल्टी सिटी हॉस्पिटल के पीछे बस्ती में युवती रहती है। शिवम कलम (22) नाम का युवक नर्मदापुरम का रहने वाला है। वह युवती को बहन मानता था। उससे मिलने के लिए भोपाल आया था। मंगलवार की रात करीब 11:30 बजे युवती के घर से निकला था। तभी मोहल्ले के शिव राजपूत ने उसे कमेंट्स कर दिए। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में बहस हुई। उसके दो साथियों ने भी लात और घूसों से शिवम की पिटाई की।

कड़ी सुरक्षा के बाद भी मंदिर से मूर्ति चोरी

कटनी। मध्य प्रदेश के कटनी जिले में मंदिर से धातु की मूर्ति चोरी होने का मामला सामने आया है। कुठला थाना क्षेत्र के कृषि उपज मंडी प्रांगण में स्थित दुर्गा मंदिर से एक पीतल की छोटी मूर्ति की चोरी होने से मंडी व्यापारियों और हम्मालो में गुस्सा देखने को मिला और उन्होंने पुलिस से मूर्ति चोरी के आरोपी को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की है। कुठला थाना प्रभारी राजेन्द्र मिश्रा ने बताया कि मंडी चारों तरफ से कैंपस बाउंड्री वाल बनी है, परिसर में 36 सिक्यूरिटी गार्ड तैनात है यहीं पर एक दुर्गा मंदिर स्थापित है। मंदिर में जो प्रमुख मूर्ति है वह यथावत है। जबकि एक छोटी मूर्ति चोरी हो गई। मंदिर के पुजारी के मुताबिक, पीतल की करीब चार इंच ऊंची मूर्ति रखी थी। सुबह जब वह मंदिर आए तो पीतल वाली मूर्ति नहीं दिखी। मंदिर में ताला लगा हुआ था। कहीं भी तोड़फोड़ नहीं दिखी है।

लूट के बाद टीचर को जिंदा जलाया, मौत

दमोह। मध्य प्रदेश के दमोह जिले में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां शिक्षक से लूट की वारदात को अंजाम देने के बाद उसे जिंदा जला दिया गया, जिसके चलते शिक्षक की मौत हो गई। यह पूरा मामला जिले के हटा थाना क्षेत्र का है। घटना के संबंध में जानकारी के मुताबिक राजेश कुमार त्रिपाठी प्राथमिक पाठशाला के शिक्षक थे, जो ग्राम सुनवाहा में रह रहे थे। वे देर रात हटा से मोटर साइकिल से वापस सुनवाहा जा रहे थे। इसी बीच रास्ते में कुछ लोगों ने उन्हें रोका लिया। उस वक्त राजसेश के पास थैली में लगभग चार लाख रुपए कैश रखा हुआ था, जिसे बदमाशों ने लूट लिया। लूट की वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाशों ने राजेश त्रिपाठी पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। मृतक शिक्षक राजेश त्रिपाठी के भाई ने जानकारी देते हुए बताया कि शिक्षक का पैतृक गांव सुनवाहा है, जहां उनकी जमीन है।

डीएपी खाद की कालाबाजारी का भंडाफोड़, प्रशासन ने लिया एक्शन

संवाददाता ● शिवपुरी

मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में जहां किसान डीएपी खाद की एक-एक बोरी के लिए दिन-रात परेशान हो रहे हैं और रात-रात भर लाइन में लग कर टोकन और फिर खाद के कट्टे लेने के लिए मजबूर हैं, तो वहीं दूसरी तरफ डीएपी खाद की बाजार में खुलेआम कालाबाजारी भी की जा रही है। इसका भांडा खुद प्रशासन ने फोड़ते हुए एक निजी खाद की दुकान से 40 बोरी डीएपी खाद बरामद कर दुकान पर कार्रवाई की है। बता दें कि किसान डीएपी खाद वितरण केंद्रों पर लगने वाली लंबी-लंबी लाइनों से परेशान होकर खुद आपस में झड़प करते हुए भी देखे जा रहे हैं। इस बीच प्रशासन की इस कार्रवाई से यह तो साफ हो गया कि बाजार में साफ तौर पर डीएपी की कालाबाजारी की जा रही है। डीएपी की कालाबाजारी का यह है मामला शिवपुरी जिले की कोलारस तहसील से सामने आया है, जहां एसडीएम कोलारस और उनकी प्रशासनिक टीम ने कार्रवाई को अंजाम देते हुए एक निजी खाद की दुकान पर छापा मार कर 40 बोरी डीएपी खाद बरामद की है। प्रशासनिक जांच में यह सामने आया है कि दुकानदार 1600 में एक बोरी डीएपी खाद बेच रहा था। बताया गया था कि आज ही दुकानदार ने किसी जगह से 50 बोरी डीएपी खाद अपनी दुकान में भरी थी और वह 1600 रुपए के भाव से 10 कट्टे बेच भी चुका था। जानकारी के मुताबिक, शिवपुरी जिले की कोलारस तहसील के अंतर्गत पवन ट्रेडर्स नाम के एक व्यापारी की दुकान पर सरकारी डीएपी खाद का स्टॉक मौजूद था और वह उसकी कालाबाजारी करते हुए परेशान किसानों को ऊंचे भाव में बेच रहा था।

टीटी नगर थाना सवालों के घेरे में, टीआई लाइन अटैच

संवाददाता ● भोपाल

बाणगंगा चौराहे पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे के मामले में लापरवाही सामने आने पर टीटी नगर थाने के प्रभारी सुधीर अर्जरिया को देर रात लाइन अटैच कर दिया गया है। उनकी जगह अब मानसिंह चौधरी को टीटी नगर थाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह फैसला मामले की जांच में गंभीर खामियों के चलते लिया गया है। इस हादसे में एक डॉक्टर की मौत हो गई थी, जब बाणगंगा सिग्नल पर खड़ी भीड़ को स्कूल बस ने कुचल दिया था। अब इस पूरे प्रकरण की जांच की कमान कमला नगर पुलिस को सौंपी गई है।

असली चालक का नाम छिपाया गया – जांच में बड़ा खुलासा हुआ है कि बस का एग्रीमेंट हादसे के बाद बैकडेट में तैयार किया गया था। आरोपी प्रवेश नागर ने पहले किसी 'सुनील' नाम के ड्राइवर को जिम्मेदार बताया, लेकिन पुलिस की सख्ती के बाद सामने आया कि बस चला रहा विशाल बैरागी था। चौंकाने वाली बात ये है कि विशाल के पास हैवी व्हीकल चलाने का वैध लाइसेंस ही नहीं है। प्रवेश नागर ने लाइसेंस की कमी और अवैध संचालन पर पर्दा डालने के लिए जानबूझकर गलत जानकारी दी। मामले में अब विशाल बैरागी को जेल भेज दिया गया है। इस हादसे के बाद गुरुवार को परिवहन विभाग ने विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान एक स्कूल बस को बिना परमिट बारात ले जाते हुए पकड़ा गया, जिस पर 42,000 का जुर्माना लगाया गया और बस को जब्त कर लिया गया। वहीं एक अन्य बस को होशंगाबाद रोड से बिना परमिट के संचालन करते पकड़ा गया और उसे भी जब्त किया गया। यह मामला अब सिर्फ एक सड़क हादसा नहीं रह गया है, बल्कि इसमें लापरवाही, दस्तावेजों की गड़बड़ी और गैरकानूनी संचालन की परतें लगातार खुलती जा रही हैं।

पाकिस्तान पर साधा बागेश्वरधाम पीठाधिश्वर ने निशाना

यह नया भारत है, जो मारता है दुश्मन के घर में घुसकर : पं. शास्त्री

संवाददाता ● जबलपुर

मध्य प्रदेश के जबलपुर में आयोजित एक भव्य धार्मिक कार्यक्रम में बागेश्वर धाम सरकार के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने पाकिस्तान और आतंकवाद के विरुद्ध जमकर हमला बोला। उनके जोशीले और राष्ट्रवादी भाषण ने न सिर्फ वहां उपस्थित श्रद्धालुओं को उत्साहित किया, बल्कि देशभर में चर्चा का विषय बन गया। शास्त्री ने हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की तीव्र निंदा करते हुए कहा, 'यह अब वह भारत नहीं है जो चुप बैठता था। यह नया भारत है, जो दुश्मन के घर में घुसकर मारता है। पंडित शास्त्री ने भारतीय सेना की वीरता की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें देश की सेना पर अपार गर्व है।

उन्होंने कहा, 'हमारे देश के जवान हर परिस्थिति में डटे रहते हैं और हमें सुरक्षित रखते हैं। ऐसे सैनिक ही सच्चे नायक हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि भारत अब सहनशील नहीं, बल्कि जवाब देने वाला राष्ट्र बन चुका है। पाकिस्तान पर तीखा व्यंग्य करते हुए शास्त्री ने कहा, जो देश अपनी लुगाइयों को नहीं संभाल पा रहा, वो देश क्या संभालेगा?। यह बयान पाकिस्तान की सामाजिक अस्थिरता और आंतरिक कुप्रशासन की ओर इशारा करता है। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान, भारत का बिगड़ैल बेटा है, जिसे अब अनुशासन सिखाना आवश्यक हो गया है। इसी क्रम में उन्होंने पीओके (पाक अधिकृत कश्मीर) के मुद्दे पर भी कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि भारत उसे अपने नियंत्रण में ले। उन्होंने कहा, 'पीओके केवल जमीन नहीं, भारत की अस्मिता का एक अहम हिस्सा है, जिसे किसी भी कीमत पर वापस लाना चाहिए।

कर्नल सोफिया कुरैशी की तारीफ की

धीरेंद्र शास्त्री ने अपने भाषण में कर्नल सोफिया कुरैशी का नाम लेकर उनकी तारीफ भी की। हालांकि, उन्होंने विस्तार से कुछ नहीं कहा, लेकिन इतना जरुर संकेत दिया कि देशहित में कार्य करने वाले हर नागरिक, चाहे वह किसी भी धर्म या पृष्ठभूमि से हो सराहना के पात्र हैं। यह वक्तव्य उनके समावेशी दृष्टिकोण को दर्शाता है। आगे उन्होंने कहा कि देश के दो ही असली हीरो हैं एक वो जो सरहद पर खड़ा है, दूसरा जो खेत में खड़ा है। इन दोनों की मेहनत और बलिदान से ही भारत की रक्षा और उन्नति संभव है। धीरेंद्र शास्त्री का यह राष्ट्रवादी और प्रेरणादायक भाषण युवाओं में जोश भरने वाला रहा। उनके शब्दों ने स्पष्ट किया कि वे न केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शक हैं, बल्कि राष्ट्र चेतना से ओतप्रोत एक जागरुक संत भी हैं। उनका पाकिस्तान पर कसा गया व्यंग्य 'लुगाइयां संभाल नहीं पा रहा, देश क्या संभालेगा?'

बेड पर सो रहे पति को अकेला छोड़कर गायब हुई पत्नी

संवाददाता ● जबलपुर

रात में खेत में इस हाल में मिली देखते ही आगबबूला हो गया युवक

मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले के माढ़ोताल थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां अफेयर के शक में एक पति ने अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। रात में पत्नी बिस्तर से उठकर कहीं चली गई थी। उसे ढूंढते हुए पति ने देखा कि वह कुछ दूर खेत में अर्धनग्न अवस्था में सो रही थी, जिससे उसका शक और गहरा गया। गुस्से में आकर उसने मौके पर पड़ी कुल्हाड़ी और डंडे से उसकी बेरहमी से हत्या कर दी और शव को साड़ी में लपेटकर नाले में फेंक दिया।

वारदात

जानकारी अनुसार घटना ग्राम मंगेला की है, जहां शव मिलने की सूचना पर पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची थी। मृतका पत्नी मंगेला में मजदूरी करने आई थी और ग्राम भवरदा, थाना बीजाडांडी, जिला मंडला की रहने वाली थी। 11 मई दोपहर करीब 2 बजे ग्राम के सरपंच अर्जुन सिंह चड़ार को उपसरपंच मुनीम कुमार कुशवाहा ने सूचना दी कि मंगेली श्मशान नाले के पास एक महिला का शव पड़ा है। पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। महिला के सिर और छाती पर गंभीर चोटों के निशान थे। शव को साड़ी में लपेटकर नाले में फेंका गया था। पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय के निर्देश पर नगर पुलिस अधीक्षक बीएस गोठरिया और एफएसएल अधिकारी डॉ. अजय सिंह के साथ मौके पर जांच की गई। मृतका की शिनाख्त उसकी चचेरी बहन रामबती कुंजाम ने की, जिसके आधार पर माढ़ोताल थाना में हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच में शक की सुई मृतका के पति शिवकुमार वरकड़े की ओर गई। उसे पुलिस ने हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की। पूछताछ में उसने जुर्म कबूल करते हुए बताया कि वह और उसकी पत्नी मजदूरी के लिए मंगेला गांव आए थे। उसकी पत्नी अन्य लोगों से हंस-बोलकर बात करती थी, जिससे वह अक्सर नाराज रहता था और उसके चरित्र पर शक करता था।

10 मई की रात दोनों ने साथ खाना खाया और सो गए। रात में उसकी पत्नी बिस्तर से उठकर कहीं चली गई थी। उसे ढूंढते हुए पति ने देखा कि वह एक खेत में अर्धनग्न अवस्था में सो रही थी, जिससे उसका शक और गहरा गया। गुस्से में आकर उसने मौके पर पड़ी कुल्हाड़ी और डंडे से उसकी बेरहमी से हत्या कर दी और शव को साड़ी में लपेटकर नाले में फेंक दिया।

सूखाग्रस्त बुंदेलखंड में चंदेलों ने बनवाई बावड़ियों को सुरक्षा-संरक्षण की दरकार

संवाददाता ● छतरपुर

बुंदेलखंड का नाम आते ही सूखा, भुखमरी और पलायन जैसे शब्द जहन में आते हैं लेकिन यहां स्थित चंदेल कालीन बावड़ियां अलग कहानी कहती हैं। चंदेल कालीन समय में बनाई गई संरचनाओं को देखकर लगता है कि उस समय जो संरचनाएं बनाई गई थी उनको बनाने के लिए जिस प्रकार से आर्किटेक्ट का प्रयोग किया गया होगा वह बहुत ही आधुनिक होगा।।। क्योंकि जिस प्रकार से छतरपुर जिले के पानी की समस्या को लेकर लोग परेशान हो रहे हैं लेकिन वहीं चंदेल कालीन बावड़ियों में आज भी पानी भरा हुआ है। हालांकि इस बावड़ियां मैं सिर्फ कुछ सुधार की जरूरत है। लोगों की मांग है कि सरकार इसे सुरक्षित करने की दिशा में कदम उठाए।

गांव के लोग बताते हैं कि जब सबसे ज्यादा सूखा पड़ा था, उस समय इन बावड़ियों ने हम गांव लोगों की प्यास बुझाई थी। छतरपुर जिला प्रशासन के द्वारा कुछ बावड़ियां को सुरक्षित किया जा रहा है लेकिन अभी भी बहुत सारे चंदेल कालीन बावड़ियां ऐसी हैं जिनको सुरक्षित करने की जरूरत है। लोगों का मानना है कि जो शेष बची बावड़िया हैं इनको भी सरकार को सुरक्षित और संरक्षित करने की जरूरत है। क्योंकि जब पूरे गांव का पानी सूख जाता है तो इन बावड़ियों से ही गांव के लोग अपनी प्यास बुझाते हैं।

छतरपुर जिला प्रशासन ने 66 बावड़ियों को चिन्हित कर इसे संरक्षित करने का काम कर रही है। चंदेलकालीन बावड़ियों को पुनर्जीवित करने में मध्य प्रदेश का पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग, जल संरक्षण पर काम करने वाली सामाजिक संस्थाएं और जनता एक साथ मिलकर काम करेगी। बता दें कि जल संरक्षण के लिए चंदेल राजाओं ने मध्य प्रदेश के जिलों में बावड़ियां बनवाए थे।

बजरंग दल के पहुंचते ही आरोपी मौके से भागे, पुलिस ने दो को किया गिरफ्तार

पलासी में 6 हिस्सों में कटी गाय मिली

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल के करोंद क्षेत्र स्थित पलासी गांव में शुक्रवार सुबह गौवंश काटे जाने का मामला सामने आया है। घटना सुबह करीब 5 बजे की है।

वारदात

सूचना मिलते ही बजरंग दल के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे, जिन्हें देखकर दो आरोपी मौके से फरार हो गए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने छह हिस्सों में कटी गाय के अवशेष बरामद किए हैं। निशातपुरा थाना प्रभारी रूपेश दुबे ने बताया कि श्याम यादव, जो निशातपुरा निवासी हैं और गौसेवक के रूप में सक्रिय हैं, ने पुलिस को सूचना दी थी कि पलासी गांव में गौवंश का वध किया गया है। उनकी शिकायत पर 5–6 लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की जा रही है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों - रेहान और अरबाज को हिरासत में ले लिया है। वहीं, फरार आरोपियों आलम और सोहैल की तलाश जारी है। सभी आरोपियों की पहचान की जा चुकी है। दो बदमाश निशातपुरा तथा चार आस पास के थाना क्षेत्रों के रहने वाले हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। एफआईआर किए जाने और गिरफ्तारी के बाद ही आरोपियों के नामों का खुलासा किया जाएगा।

लगातार की जा रही वारदात

श्याम के मुताबिक सुबह पांच बजे साथियों के साथ मौके पर पहुंचे तब दो युवक दूर से ही उनके वाहनों को देखकर भाग निकले। घटना स्थल से कई हिस्से में काटी जा चुकी गौ वंश के हिस्से मिले। लगातार आरोपियों द्वारा ऐसा कृत्य किए जाने की सूचना मिल रही थीं। रंगे हाथों पकड़ने की नीयत से स्पॉट पर पहुंचे थे। आरोपियों के नाम पुलिस को बता दिए हैं। उनकी गिरफ्तारी की कोशिश की जा रही है। सभी आरोपी एक ही समुदाय विशेष के हैं। गौवंश को मकानों की आड़ में सुनसान इलाके में काटा गया है। मौके से ही पुलिस को बड़ी संख्या में खून मिला है। स्पॉट से ही पुलिस को एक बका मिला है। एक अन्य गाय वहां बंधी मिली है, आरोपी इसे भी काटने की तैयारी में थे। टीआई ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद ही साफ होगा कि कितने समय से इस कार्य को कर रहे थे और अब तक कितने गौ वंश का वद्य कर चुके हैं।

अनुष्का की गोद में नन्हे अकाय की मस्त

यूट्यूबर को सताई दो पत्नियों-4 बच्चों की चिंता

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली के बच्चों वामिका और अकाय को फैंस बेहद प्यार करते हैं। दोनों बच्चों को अपने पेरेंट्स के साथ हाल ही में देखा गया। यहां नन्हा अकाय नानी संग मस्ती कर रहा था। वहीं दूसरी तरफ यूट्यूबर अरमान मालिक को अपनी दो बीवियों और चार बच्चों की चिंता सता रही है। ऐसे में उन्होंने पिस्तौल रखने की इजाजत मांगी है। बॉलीवुड से लेकर टेलीविजन और ओटीटी तक की बड़ी खबरें पढ़ें फिल्म रैप में। बॉलीवुड एक्ट्रेस कोंकणा सेन शर्मा के प्यार में होने की खबरें हैं। अटकलें हैं वो एक्टर अमोल पाराशर को डेट कर रही हैं। हालांकि दोनों ने अपने रिश्ते को कंफर्म नहीं किया है। बुधवार को रूमर्ड कपल को सीरीज ग्राम चिकित्सालय की स्क्रीनिंग में पहली बार साथ देखा गया। विराट कोहली-अनुष्का शर्मा जब भी साथ आते हैं, फैंस का दिन बन जाता है। बीते दिनों दोनों को प्रेमानंद महाराज के दर्शन करते देखा गया था। एयरपोर्ट पर कपल स्पॉट हुआ। उन्होंने पैप्स को पोज भी दिए थे। अब विरुष्का का नया वीडियो सामने आया है।

कल्की कोएच्लिन को बच्चा पैदा करने पर लोगों ने उन्हें कहा 'चुड़ैल'

एक्ट्रेस और राइटर कल्कि केकलां, किसी भी मुद्दे पर बोलने से पहले जरा भी नहीं हिचकिचातीं। वो अपनी बात खुलकर कहती हैं। फिर चाहे वो अपनी पेग्नेंसी के बारे में हो या फिर अपनी शादीशुदा जिंदगी के बारे में। उन्होंने हाल ही में बताया कि उन्होंने अलग तरीके से अपनी बच्ची को जन्म देने का फैसला किया था। कल्कि की बेटी का जन्म 7 फरवरी, 2020 को हुआ था और कल्कि ने अपनी बेटी वॉटरबर्थ के जरिए पैदा किया था। कंटेंट क्रिएटर अलीना डाइसेक्ट्स के साथ बातचीत में, कल्कि ने वॉटरबर्थ को अपना मजबूत सपोर्ट दिया। कल्कि ने बताया कि वॉटरबर्थ मां और बच्चे दोनों के लिए काफी आसान है। कल्कि ने अपना एक्सपीरिएंस शेयर करते हुए कहा- 'वॉटरबर्थ के बारे में लोगों को पता होना चाहिए, इससे बच्चों को कम चोट लगने के आसार होते हैं और उन्हें इंफेक्शन भी कम होता है। मांओं के लिए भी इस प्रोसेस के जरिए रिकवरी प्रोसेस आसान हो जाता है। उन्होंने आगे कहा कि मेरा माननाहै कि नैचुरल बर्थ के लिए यह प्रोटोकॉल होना चाहिए।' वॉटरबर्थ से जुड़े पॉजिटिव रिजल्ट के बावजूद, कल्कि ने माना कि यह कई जगहों पर ये अब भी नॉर्मल नहीं है। उन्होंने कहा- 'कुछ लोग आज भी इसे एक कलंक मानते हैं' उन्होंने कहा कि कुछ लोग इस पद्धति को अजीब मानते हैं या इसे किसी कल्ट से जोड़कर देखते हैं या इसे 'चुड़ैल प्रथा' भी कहते हैं। उन्होंने बताया कि यह मानसिकता काफी हद तक जागरूकता की कमी की वजह से ही है। उन्होंने प्रे ग्नेंसी को याद करते हुए कल्कि ने कहा- 'मैं 17 घंटे तक प्रसव पीड़ा में रही।

कल हो न हो के इस सीन में नकली नहीं थे प्रीति जिंटा के आंसू

साल 2003 की फिल्म 'कल हो ना हो' की गिनती ऑल टाइम फेवरेट फिल्मों में की जाती है। अब हाल ही में प्रीति जिंटा ने अपने सोशल मीडिया X अकाउंट पर इस फिल्म की शूटिंग के दिनों को याद किया है। जिसमें उन्होंने बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि कैसे सेट पर अधिकांश एक्टर्स शूटिंग के दौरान रो रहे थे। दरअसल बॉलीवुड एक्ट्रेस और पंजाब किंग्स की मालकिन प्रीति जिंटा ने हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर अपने प्रशंसकों के साथ एक चैट सेशन #pzchat शुरू किया था। इस चैट में उन्होंने फैंस के सवालों के जवाब दिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर @LionOfPBKS नाम के यूजर ने एक्ट्रेस प्रीति जिंटा से पूछा- 'मैम, जब भी मैं कल हो ना हो देखता हूं, मैं बच्चों की तरह रोता हूं। आपने नैना कैथरीन कपूर का किरदार बखूबी निभाया है। साथ ही एक सबक भी सीखा है कि प्यार का मतलब कभी-कभी जाने देना होता है।' यूजर ने आगे पूछा कि जब आप 20 साल की शूटिंग के बाद कल हो ना हो देखती हैं तो क्या आप भी हमारी तरह रोती हैं? प्रीति जिंटा ने यूजर को जवाब देते हुए कहा कि 'हां, जब मैं इसे देखती हूं तो रोती हूं। और जब हम इसे फिल्मा रहे थे तब भी मैं रोई थी। मेरे पहले प्यार की एक कार दुर्घटना में मौत गई थी। इसलिए यह फिल्म मुझे हमेशा अलग हिट करती है। मजेदार फैक्ट ये है कि अधिकतर सीन में सभी स्टार्स नैचुरली रो रहे थे और अमन की मौत के सीन में सभी कैमरे के सामने और पीछे भी रो रहे थे। बता दें कि अभिनेता शाहरुख खान, प्रीति जिंटा और सैफ अली खान स्टारर फिल्म 'कल हो ना हो' साल 2003 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म के गाने काफी सुपरहिट हुए थे।

अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस पर बोलीं स्वाति शाह

कहा 'रिश्तों से बंधी गौरी' ने दिया मुझे एक नया परिवार

परिवार हमेशा प्यार, ताकत और सहारे की नींव होता है। अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस के इस खास मौके पर 'रिश्तों से बंधी गौरी' शो में जगदंबा देवी की भूमिका निभा रहीं स्वाति शाह ने अपने लिए परिवार के मायने साझा किए। फिर चाहे वह उनका वास्तविक परिवार हो या सेट पर बना उनका एक खूबसूरत परिवार।

अपने निजी परिवार के महत्व को लेकर अपने भाव साझा करते हुए स्वाति शाह कहती हैं,'परिवार मेरी सबसे बड़ी ताकत है। वो हमेशा मेरे साथ खड़े रहते हैं चाहे सुख हो या दुख। मुझे लगता है कि परिवार सिर्फ एक ही छत के नीचे रहने का नाम नहीं है, बल्कि हर मोड़ पर एक-दूसरे के साथ खड़े रहने का नाम है। उनके आशीर्वाद, प्रोत्साहन और बिना किसी शर्त के मिलने वाले प्यार से ही मैं हर दिन आगे बढ़ पाती हूं। अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस पर मैं इस बात के लिए खुद को बहुत सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे इतना प्यार और स्नेह करने वाला परिवार मिला है, जो मेरी जिंदगी की धड़कन है।'

सेट पर बनी खास बॉन्डिंग के बारे में बताते हुए वे कहती हैं,'हर दिन लगभग 12 घंटे सन नियो के शो 'रिश्तों से बंधी गौरी' के सेट पर बिताते हुए मेरे सह-कलाकार अब मेरे विस्तारित परिवार जैसे बन गए हैं। हम साथ हँसते हैं, खाना बाँटते हैं, कठिन सीन में एक-दूसरे की मदद करते हैं और छोटी-छोटी खुशियाँ मिलकर सेलिब्रेट करते हैं। यह सिर्फ मेरी कर्म भूमि नहीं है बल्कि एक तरह से अपने दूसरे परिवार के साथ जीना है। यही रिश्ता हमें हमेशा खुश, प्रेरित और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर बनाए रखता है। मैं खुद को बेहद सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे अपने जीवन में दो खूबसूरत परिवार मिले हैं!'

'रिश्तों से बंधी गौरी' की कहानी एक साहसी और विनम्र लड़की गौरी की यात्रा को दर्शाती है, जिसकी अटूट आस्था उसे जीवन की कठिन परिस्थितियों से लड़ने की ताकत देती है। एक अनचाही शादी में बाँधी गई गौरी बुंदेला परिवार की बहू बनती है, लेकिन अपने धैर्य और समझदारी से वह खुद अपनी तकदीर लिखने का रास्ता चुनती है। इस दिल को छू लेने वाली कहानी में में ईशा पाठक, सवि ठाकुर और स्वाति शाह प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह शो हर रात 8:30 बजे सन नियो पर प्रसारित होता है।

'कभी हाईवे या राजी देखी है'

आलिया को 'नेपो किड' बुलाने वालों को करण जौहर का मुंहतोड़ जवाब

फिल्मी दुनिया में कई स्टार किड्स अपनी पहचान बनाने के लिए कदम रखते हैं, लेकिन बहुत कम ही हैं जो दर्शकों के दिलों पर छा जाते हैं और अपनी काबिलियत से अपने स्टार पैरेंट्स के इतर अपना नया इतिहास लिखते हैं। इनमें से एक फिल्म प्रोड्यूसर-डायरेक्टर महेश भट्ट और एक्ट्रेस सोनी राजदान की बेटी आलिया भट्ट भी हैं। आलिया भट्ट ने पिछले 13 सालों में इंडस्ट्री में खुद को एक बेहतरीन अभिनेत्री के रूप में स्थापित कर लिया है। उन्होंने 2012 में स्टूडेंट ऑफ द ईयर से डेब्यू किया था और आज वह नेशनल फिल्म अवॉर्ड समेत कई नामी अवॉर्ड्स अपने नाम कर चुकी हैं। उन्होंने कई ऐसी फिल्में दी हैं जिसमें उनकी अदाकारी ने फैंस का दिल जीता। मगर कुछ नेटिजंस आज भी उन्हें नेपो किड बुलाकर ट्रोल करते हैं। हाल ही में, आलिया भट्ट को बॉलीवुड में लॉन्च करने वाले डायरेक्टर-प्रोड्यूसर करण जौहर से भी उनके नेपो किड बुलाए जाने को लेकर सवाल किया गया, तब उन्होंने एक तगड़ा जवाब दिया है। गलाटा प्लस में करण से पूछा गया कि आलिया पर नेपो किड का ठप्पा लगा है, तब उन्होंने कहा, 'क्या आपने हाईवे देखी है? क्या आपने उड़ता पंजाब देखी है?' करण जौहर ने अपनी बात को जारी रखते हुए कहा, 'क्या आपने राजी देखी है? क्या आपने गंगूबाई (काठियावाड़ी) देखी है? बस उनकी फिल्में देखें। अगर आप अभी भी उन्हें नेपो किड कह रहे हैं तो आप इस धरती पर सबसे बेवकूफ इंसान हैं और आपकी मदद कोई भी नहीं कर सकता है।' करण जौहर और आलिया भट्ट का बॉन्ड किसी से छुपा नहीं है। एक्ट्रेस उन्हें हमेशा से अपना मेंटर मानती आ रही हैं। वहीं, करण भी कई बार खुलासा कर चुके हैं कि आलिया उनकी पहली बेटी हैं। आलिया ने करण जौहर के साथ कई फिल्मों में काम किया है जिसमें स्टूडेंट ऑफ द ईयर, 2 स्टेट्स, हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया, शानदार, डियर जिंदगी, बद्रीनाथ की दुल्हनिया समेत कई फिल्में हैं।

नागा चैतन्य को पसंद आया आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' का ट्रेलर

दक्षिण भारतीय फिल्मों के जानेमाने अभिनेता नागा चैतन्य को आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' का ट्रेलर बेहद पसंद आया है। आमिर खान की 'सितारे ज़मीन पर' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। यह फिल्म वर्ष 2007 में प्रदर्शित सुपरहिट 'तारे ज़मीन पर' का स्पिरिचुअल सीक्वल मानी जा रही है।जहां ट्रेलर को हर तरफ से जबरदस्त रिव्यू मिल रहे हैं, वहीं नागा चैतन्य भी इससे खासा प्रभावित हुए हैं। उन्होंने पूरी टीम को बधाई देते हुए फिल्म के लिए एक्साइटमेंट जाहिर की है। नागा चैतन्य ने अपने सोशल मीडिया पर सितारे जमीन पर के ट्रेलर की तारीफ की। उन्होंने लिखा ,ये शानदार लग रहा है आमिर सर... दिल छू लेने वाला। पूरी टीम को मेरी शुभकामनाएं। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी 'सितारे जमीन पर' में आमिर खान और जेनेलिया देशमुख लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म के गाने अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं और म्यूजिक शंकर-एहसान-लॉय ने दिया है। इसका स्क्रीनप्ले दिव्य निधि शर्मा ने लिखा है। इस फिल्म को आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने रवि भागचंदका के साथ प्रोड्यूस किया है। आर. एस. प्रसन्ना के निर्देशन में बनी यह फिल्म 20 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'हमें गाली दो, हिंदुओं को क्यों?'

मशहूर लेखक और गीतकार जावेद अख्तर ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के हिंदुओं को लेकर दिए गए बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है। साथ ही उन्होंने असीम मुनीर को बहुत ही संवेदनहीन आदमी बताया। पाकिस्तान के आर्मी चीफ पर भड़कते हुए जावेद अख्तर ने कहा, 'मैंने उसका भाषण यूट्यूब पर देखा। बहुत ही संवेदनहीन आदमी है वो। अगर उसको हिंदुस्तानी बुरे लगते हैं तो आप हमें गाली दीजिए, कोई बात नहीं, लेकिन आप हिंदुओं को गाली क्यों दे रहे हैं? आपके देश में भी तो हिंदू रहते हैं, भले ही कम हों। क्या उनकी इज्जत नहीं करनी चाहिए?' जावेद अख्तर ने मशहूर वकील कपिल सिब्बल के यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए ये कहा, 'अगर पाकिस्तान की सरकार और फौज बुरा बर्ताव करती है, तो उसका असर सबसे पहले पाकिस्तान के आम नागरिकों पर ही पड़ता है।

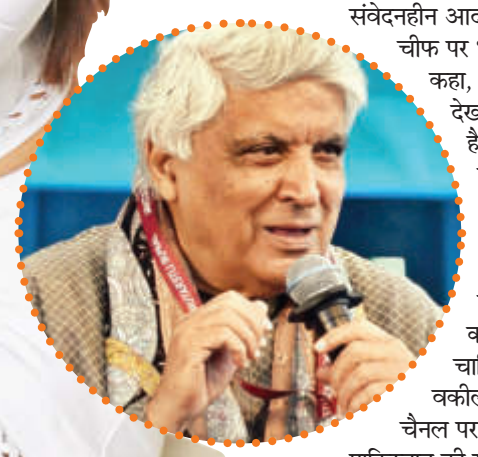

आईपीएल की दोबारा शुरुआत आज से होगी

लीग मैचेस के बाद वापस चल जाएंगे ये विदेशी खिलाड़ी

एजेंसी ● नई दिल्ली

आईपीएल 2025 के शेष मुकाबलों की शुरुआत शनिवार से हो रही है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण इस लीग को बीच में ही एक सप्ताह के लिए स्थगित करना पड़ा था, लेकिन दोनों देशों के बीच सीजफायर के एलान के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने लीग दोबारा शुरू करने का फैसला किया। आईपीएल के मौजूदा सीजन में फाइनल सहित अब 17 मुकाबले और खेले जाएंगे। लेकिन लीग मैचेस के बाद टीमों की मुश्किलें बढ़ंगी क्योंकि कुछ विदेशी खिलाड़ी वापस घर लौट जाएंगे।

फ्रैंचाइज़ी के सबसे बड़ी दिक्कत

लीग शुरू होने के बाद फ्रेंचाइजी के लिए सबसे बड़ी दिक्कत विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता है। कई देशों के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता और अन्य कारणों के चलते इसमें हिस्सा नहीं ले सकेंगे, जबकि कुछ खिलाड़ी सिर्फ ग्रुप चरण तक ही टीमों का साथ दे सकेंगे और प्लेऑफ के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच 11 जून से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल मुकाबला खेला जाना है और इस कारण इन दोनों देशों के खिलाड़ियों का फाइनल तक टीम के लिए उपलब्ध होना कठिन है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मुकाबले से आईपीएल 2025 का शेष चरण शुरू हो रहा है। ऐले में सभी 10 टीमों के विदेशी खिलाड़ियों की स्थिति को जाना जा सकता है।

गुजरात टाइटंस : बटलर लौट जाएंगे

गुजरात की टीम प्लेऑफ में क्वालिफाई करने के करीब है, लेकिन उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाज जोस बटलर सिर्फ ग्रुप चरण तक ही टीम के साथ होंगे और प्लेऑफ के लिए उनकी जगह कुसल मेंडिस लेंगे। शेरफाने रदरफोर्ड और कगिसो रबाडा भी लीग चरण के अंत तक टीम के साथ होंगे। वहीं, राशिद खान, करीम जनत, दासुन शनाका और गेराल्ड कोएट्जे पूरी सीजन तक टीम के लिए उपलब्ध होंगे।

आरसीबी : शेफर्ड, सॉल्ट, जैकब नहीं होंगे

आरसीबी की टीम अपने पहले खिताब की तलाश में जुटी है, लेकिन उसके सामने भी चुनौतियां हैं। रोमारिया शेफर्ड, फिल सॉल्ट और जेकब बेथेल सिर्फ दो लीग मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे। वहीं, टिम डेविड, लियाम लिविंगस्टोन और लुंगी एनडिगी लीग चरण के खत्म होने तक टीम के साथ होंगे, जबकि नुवान तुषारा पूरे सत्र के लिए उपलब्ध होंगे। टीम के ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की स्थिति अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है।

पंजाब किंग्स : बार्टलेट, जैनसन उपलब्ध

पंजाब किंग्स के लिए मिचेल ओवन, अजमातुल्लाह ओमरजई, मार्को यानसेन लीग चरण के खत्म होने तक उपलब्ध रहेंगे। वहीं, जेवियर बार्टलेट और काइल जैमिसन टीम के साथ होंगे। जैमिसन को चोटिल लॉकी फर्ग्यूसन की जगह टीम में शामिल किया गया था। जोश इंग्लिस, मार्कस स्टोइनिस और आरोन हार्डी की उपलब्धता पर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

मुंबई इंडियंस : बेयरस्टो आ सकते हैं

विल जैक्स लीग चरण के खत्म होने तक मुंबई इंडियंस के लिए उपलब्ध होंगे, लेकिन अगर टीम प्लेऑफ में पहुंचती है तो उनकी जगह जॉनी बेयरस्टो ले सकते हैं। ऐसे ही रियान रिक्लेटन भी लीग चरण तक साथ होंगे और प्लेऑफ में उनकी जगह रिचर्ड ग्लीसन ले सकते हैं। बेवोन जैकब और कॉर्बिन बॉश ग्रुप चरण तक उपलब्ध होंगे।

दिल्ली कैपिटल्स : स्टबंस ग्रुप चरण तक रहेंगे

दिल्ली के लिए ट्रिस्टन स्टब्स सिर्फ ग्रुप चरण तक होंगे, जबकि फाफ डुप्लेसिस, दुश्मंता चमीरा और सेदिकुल्लाह अटल पूरे सीजन तक टीम का साथ देंगे। वहीं, मिचेल स्टार्क, जैक फ्रेजर मैकगर्क और डोनोवान फेरेरा टीम के लिए अब इस सीजन आगे नहीं खेलेंगे। दिल्ली ने मैकगर्क की जगह मुस्तफिजुर रहमान को टीम में शामिल किया है।

केकेआर : ये खिलाड़ी पूरे समय रहेंगे

सुनील नरेन, आंद्रे रसेल, क्विंटन डिकॉक, स्पेंसर जॉनसन, रहमानुल्लाह गुरबाज और एनरिच नॉर्त्जे जैसे खिलाड़ी केकेआर का साथ पूरे सीजन तक देंगे। वहीं गत चैंपियन टीम को मोईन अली और रोवमैन पोवेल की सुविधाएं नहीं मिल सकेंगी।

लखनऊ सुपर जाएंट्स : मार्करम नहीं होंगे

लखनऊ के लिए एडेन मार्करम सिर्फ ग्रुप चरण तक साथ होंगे, जबकि मिचेल मार्श, निकोलस पूरन, डेविड मिलर, मैथ्यू ब्रिट्जके और विलियम ओ रुर्के पूरे सीजन के लिए उपलब्ध होंगे। रुर्के को मयंक यादव की जगह टीम में शामिल किया गया है। लखनऊ के लिए शमार जोसेफ शेष सीजन उपलब्ध नहीं रहेंगे।

हैदराबाद : शेष मैचों के लिए ये रहेंगे

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है, लेकिन पैट कमिंस, ट्रेविस हेड, हेनरिच क्लासेन, कामिंदु मेंडिस और ईशान मलिंगा जैसे खिलाड़ी उसके लिए ग्रुप चरण के शेष मैचों में शामिल रहेंगे।

राजस्थान रॉयल्स : आर्चर-बर्गर नहीं होंगे

शिमरॉन हेत्मायर, लुहान डि प्रिटोरियस, फजलहक फारूकी, क्वेना मफाका, वानिंदु हसरंगा और महेश तीक्ष्णा राजस्थान रॉयल्स के लिए शेष सीजन उपलब्ध रहेंगे। जोफ्रा आर्चर और नांद्रे बर्गर इस सीजन टीम के लिए अब उपलब्ध नहीं होंगे। राजस्थान प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है।

बिजनेस

साइबर अपराध रोकथाम और धोखाधड़ी प्रबंधन पर अद्वितीय पुस्तक

संवाददाता ● इंदौर

साइबर अपराध में वृद्धि के आसन्न खतरे को ध्यान में रखते हुए, एक नई पुस्तक 'साइबर क्राइम प्रिवेंशन एंड फ्रॉड मैनेजमेंट' विषय पर पुस्तक का लेखन किया गया है। इस पुस्तक के लेखक हैंः डॉ. राजेश दांडोतिया (एडीसीपी-साईबर क्राइम), प्रो०(डॉ.) पुनीत कुमार द्विवेदी, समूह निदेशक एवं प्रोफेसर ऑक्सफ़ोर्ड इंटरनैशनल कॉलेज; इंदौर इंटरनैशनल कॉलेज और डॉ. नेहा शर्मा चौधरी, प्रिंसिपल, इंदौर इंटरनैशनल कॉलेज।

इस पुस्तक में कुल आठ अध्याय शामिल हैं, जिसमें 453 पृष्ठों में साइबर क्राइम की अवधारणा, उसके विभिन्न प्रकार, कानूनी और वैधानिक प्रक्रिया एवं व्यवस्थाएं, साइबर क्राइम से बचाव की तकनीकें, धोखाधड़ी से बचाव की तकनीकें, संबंधित संस्थान और उत्तम प्रक्रियाएं, एवं भविष्य में साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक जानकारी प्रदान की गई है। आज के डिजिटल युग में, जब इंटरनेट का प्रयोग आम हो गया है, साइबर क्राइम के मामलों में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। इस पुस्तक का उद्देश्य न केवल आम जनता को जागरूक करना है, बल्कि इसे विधि विद्यार्थियों, पुलिस प्रशासन, अधिवक्ता समाज और सुरक्षा विशेषज्ञों के लिए एक महत्वपूर्ण संदर्भ पुस्तक के रूप में स्थापित करना भी है। लेखक त्रय ने इस पुस्तक के माध्यम से उभरते चुनौतीपूर्ण प्रश्नों पर विचार किया है और उनके समाधान प्रस्तुत किए हैं।

आर.जी इंटरनैशनल पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित 'साइबर क्राइम प्रिवेंशन एंड फ्रॉड मैनेजमेंट' उच्चतम मानकों के साथ तैयारी की गई है, जो न केवल शिक्षाविदों बल्कि समाज के सभी वर्गों के लिए उपयोगी साबित होगी। यह पुस्तक साइबर अपराधों के खिलाफ जागरूकता और शिक्षा बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

लेखक त्रय डॉ. राजेश दांडोतिया, डॉ. पुनीत कुमार द्विवेदी और डॉ. नेहा शर्मा चौधरी को समाजहित में इस सराहनीय प्रयास के लिए हार्दिक साधुवाद। हमें विश्वास है कि यह पुस्तक सभी के लिए मार्गदर्शक साबित होगी और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

डेंगू से बचाव ही सबसे कारगर उपाय : होम्योपैथिक विशेषज्ञ डॉ. ए.के. द्विवेदी

संवाददाता ● इंदौर

राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर प्रसिद्ध होम्योपैथिक विशेषज्ञ एवं एडवांस्ड होम्यो हेल्थ सेंटर तथा होम्योपैथिक मेडिकल रिसर्च प्रा. लि., गीता भवन, इंदौर के निदेशक डॉ. ए.के. द्विवेदी ने औपचारिक चर्चा में बताया कि वे पिछले 27 वर्षों से डेंगू जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने और इसके प्रभावी होम्योपैथिक उपचार में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि डेंगू केवल अत्यंत पीड़ादायक ही नहीं, बल्कि समय पर उचित उपचार न मिलने पर प्राणघातक भी हो सकता है।

डॉ. द्विवेदी के अनुसार, डेंगू से बचाव, उपचार से कहीं अधिक सरल, प्रभावी और सुरक्षित उपाय है। स्वच्छता बनाए रखना, मच्छरों से बचाव करना और जलभराव को रोकना—ये कुछ साधारण लेकिन बेहद महत्वपूर्ण प्रयास हैं जो डेंगू को फैलने से रोक सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति में डेंगू का सुरक्षित और प्रभावी इलाज उपलब्ध है, जिससे प्लेटलेट्स की संख्या को प्राकृतिक रूप से बढ़ाया जा सकता है और रोगी की प्रतिरक्षा प्रणाली को भी मज़बूती मिलती है।

अपने अनुभव साझा करते हुए डॉ. द्विवेदी ने कहा कि उन्होंने एडवांस्ड होम्यो हेल्थ सेंटर इंदौर से हजारों डेंगू मरीजों का सफल इलाज किया है। समय पर उपचार मिलने से अधिकांश रोगियों को अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं पड़ी और वे बिना किसी जटिलता के पूर्णतः स्वस्थ हो गए।

डॉ. द्विवेदी ने नागरिकों से अपील की कि मानसून के दौरान विशेष सतर्कता बरतें—घर व आसपास पानी जमा न होने दें, मच्छरदानी और मच्छर निरोधक उपायों का नियमित रूप से उपयोग करें। साथ ही यदि बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द या प्लेटलेट्स की कमी जैसे लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत किसी योग्य होम्योपैथिक चिकित्सक से परामर्श लें।

अंत में डॉ. ए.के. द्विवेदी ने बल देते हुए कहा कि, "डेंगू की रोकथाम केवल व्यक्तिगत नहीं, सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि समय रहते जागरूकता और सतर्कता बरती जाए, तो इस गंभीर बीमारी को आसानी से हराया जा सकता है।" सम्पूर्ण इंदौरवासियों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए समर्पित

दृष्टि जूडिशियरी द्वारा इंदौर और लखनऊ में नए बैचों की शुरुआत की घोषणा

एजेंसी ● लखनऊ

दृष्टि आईएएस की पहल दृष्टि जुडिशियरी ने इंदौर और लखनऊ में कानून के क्षेत्र में करियर बनाने की इच्छा रखने वाले छात्रों के लिए दो नए शैक्षणिक बैचों की शुरुआत की घोषणा की है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में अपने अनुभव और विश्वसनीयता के साथ, दृष्टि जुडिशियरी अब कानूनी शिक्षा को और अधिक विस्तार दे रहा है।

इंदौर में जुडिशियरी कोर्स बैच – 22 मई से शुरू इंदौर सेंटर में 22 मई 2025 से जुडिशियरी परीक्षा की तैयारी के लिए एक नया बैच शुरू किया जा रहा है। यह कोर्स विशेष रूप से उन लॉ ग्रेजुएट्स के लिए तैयार किया गया है जो विभिन्न राज्य न्यायिक सेवाओं की परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। इसमें विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा पढ़ाई, व्यवस्थित पाठ्यक्रम, नियमित टेस्ट और पर्सनल मेंटरशिप जैसी सुविधाएं दी जाएंगी।

लखनऊ में क्लेट कोर्स – 27 मई से शुरू लखनऊ सेंटर पर 27 मई 2025 से क्लेट (कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट) की तैयारी के लिए नया बैच शुरू होगा। यह कोर्स खास तौर पर उन छात्रों के लिए है जो देश के प्रमुख नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज में प्रवेश लेना चाहते हैं। इस कोर्स में विषयवार गहराई से पढ़ाई, डाउट-क्लियरिंग सेशन और परफॉर्मेंस ट्रैकिंग की सुविधा होगी। हमारा उद्देश्य है कि देशभर के छात्रों को उच्च गुणवत्ता की कानूनी शिक्षा सुलभ कराई जाए। इंदौर और लखनऊ में नए बैचों की शुरुआत के साथ हम छात्रों को बेहतर मार्गदर्शन, संसाधन और सहयोग प्रदान करने की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ा रहे हैं – चाहे वो जुडिशियरी परीक्षा हो या क्लेट जैसी प्रतियोगी परीक्षाएं रबमीत कौर, मुख्य शैक्षणिक अधिकारी, दृष्टि आईएएस ने कहा। ये दोनों प्रोग्राम दृष्टि जुडिशियरी की यह प्रतिबद्धता दर्शाते हैं कि वह पूरे भारत में छात्रों को सर्वोत्तम कानूनी शिक्षा, संसाधन और सफल माहौल प्रदान करने के लिए सतत प्रयासरत है।

दृष्टि जुडिशियरी के बारे में: दृष्टि जुडिशियरी, दृष्टि आईएएस की एक विशेष पहल है, जिसका उद्देश्य न्यायिक सेवा परीक्षाओं और क्लेट जैसे लॉ एंट्रेंस टेस्ट्स की तैयारी करवाना है। अनुभवी फैकल्टी और छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ, यह संस्था गंभीर कानून छात्रों के लिए एक भरोसेमंद नाम बन चुकी है।

दृष्टि आईएएस के बारे में: 1999 में स्थापित, दृष्टि आईएएस भारत की सबसे सम्मानित सिविल सेवा एवं प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग संस्थानों में से एक है। विशेषज्ञ शिक्षकों, व्यापक पाठ्यसामग्री और छात्रों की सफलता के प्रति अपनी गहन प्रतिबद्धता के चलते यह लाखों छात्रों को अपने क्लासरूम और डिजिटल प्रोग्राम्स के माध्यम से शिक्षित करता है। इसका मिशन है – गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सुलभ, प्रासंगिक और भविष्योन्मुखी बनाना, अब एआई की ताकत से और भी सक्षम।

आरसीबी के निदेशक ने कही यह बात

यह लगा नहीं था कि इतनी जल्दी सुलझ जाएगा मुद्दा-बोबाट

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के क्रिकेट निदेशक मो बोबाट का कहना है कि उन्होंने शुरुआत में सोचा था कि आईपीएल 2025 सीजन रद्द हो जाएगा क्योंकि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव इतनी जल्दी सुलझेगा। दोनों देशों के बीच तनाव को देखते हुए आईपीएल को एक सप्ताह के लिए स्थगित किया गया था, लेकिन सीजफायर के बाद अब इसके शेष मुकाबले शनिवार से शुरू हो जाएंगे।

आईपीएल के स्थगित होने से पहले दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच धर्मशाला में खेला गया मुकाबला रद्द हो गया था। आरसीबी को इसके अगले दिन यानी नौ मई को लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ खेलना था, लेकिन तभी सीजन स्थगित हो गया। बोबाट ने बताया कि धर्मशाला में मैच रद्द होने के बाद टीम में सभी के मन में सवाल उठने लगे थे, लेकिन वे सभी को संयम रखने की सलाह दे रहे थे।

बोबाट ने आरसीबी बोल्ड डायरीज में बताया, हां काफी अस्त-व्यस्त जैसा माहौल था। हम संयमित रहने के साथ बीसीसीआई से यथासंभव अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करने और स्पष्टता के साथ संवाद करने का प्रयास कर रहे थे। यह एक बहुत ही घटनापूर्ण शाम थी। हमने लखनऊ के खिलाफ मैच से एक दिन पहले अभ्यास

सिडनी टेस्ट को लेकर इस ऑलराउंडर ने कही यह बात

मैं कोच होता तो रोहित शर्मा को टेस्ट से बाहर नहीं बैठने देता-रवि शास्त्री

एजेंसी ● नई दिल्ली

शास्त्री ने आईसीसी से बातचीत में कहा कि उन्होंने रोहित शर्मा ने कहा था कि अगर वह कोच होते तो उन्हें सीरीज के आखिरी मैच से बाहर नहीं बैठने देते क्योंकि सीरीज समाप्त नहीं हुई थी। भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने बताया कि उन्होंने आईपीएल के दौरान सिडनी टेस्ट नहीं खेलने को लेकर रोहित शर्मा से क्या बातचीत की थी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान रोहित को सिडनी टेस्ट से बाहर बैठना पड़ा था। रोहित ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया था। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और उन्होंने पांच पारियों में 31 रन बनाए थे।

खराब फॉर्म के कारण नहीं खेल सके

शास्त्री ने आईसीसी से बातचीत में कहा कि उन्होंने रोहित शर्मा ने कहा था कि अगर वह कोच होते तो उन्हें सीरीज के आखिरी मैच से बाहर नहीं बैठने देते क्योंकि सीरीज समाप्त नहीं हुई थी। रोहित निजी कारणों से बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट से बाहर रहे और आखिरी टेस्ट में भी खराब फॉर्म के कारण उन्होंने बाहर रहने का फैसला किया था। भारत को टेस्ट सीरीज में 1-3 से पराजय झेलनी पड़ी थी।

शास्त्री ने कहा, टॉस के समय रोहित से मेरी काफी मुलाकातें हुई है। टॉस के दौरान बात करने का ज्यादा समय नहीं मिलता। मैने हालांकि एक मैच में उसके कंधे पर हाथ रखा। शायद वह मुंबई में मैच था। मैने उससे कहा कि अगर मैं कोच होता तो उसे आखिरी टेस्ट से कभी बाहर नहीं रहने देता। मैने उससे कहा कि वह आखिरी टेस्ट जरूर खेलता क्योंकि सीरीज पूरी नहीं हुई थी।

रोहित मैच विनर हो सकते थे

शास्त्री ने कहा, मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो 1-2 स्कोर होने पर हार मान ले। यह वह मौका नहीं है जब आप टीम को छोड़ दें। वह 30-40 रन का मैच था। मैने उससे यही कहा। सिडनी की पिच काफी जबरदस्त थी और वह जिस फॉर्म में था, वह मैच विनर होता। अगर वह खेलता, हालात को भांपता और उसके हिसाब से शीर्षक्रम में 35-40 रन बनाता तो कुछ भी हो सकता था। सीरीज बराबरी पर होती।

आरसीबी के कप्तान ने 2022 आईपीएल को लेकर कही यह बात

मुझे भरोसा देकर नीलामी में नहीं खरीदा था-पाटीदार

एजेंसी ● बंगलूरू

आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टीम की अगुआई कर रहे रजत पाटीदार 2022 सत्र को लेकर काफी निराश थे जब आश्वासन के बावजूद फ्रेंचाइजी ने खिलाड़ियों की नीलामी में उन्हें नजरअंदाज कर दिया था। टीम में चोटिल खिलाड़ी के विकल्प के तौर पर शामिल हुए पाटीदार ने कहा कि वह तब दुखी और गुस्से में थे। इस बात का खुलासा उन्होंने खुद ही एक पॉडकास्ट में किया है।

कप्तानी सौंपे जाने के बाद दबाव महसूस कर रहे थे पाटीदार

पाटीदार ने यह भी स्वीकार किया कि आईपीएल 2025 से पहले विराट कोहली द्वारा कप्तानी सौंपे जाने के कारण वह दबाव महसूस कर रहे थे, लेकिन इस दिग्गज खिलाड़ी के समर्थन भरे शब्दों ने उन्हें सहज कर दिया। पाटीदार इस सत्र

में आरसीबी के मध्यक्रम के मुख्य खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। उन्होंने 11 मैचों में 239 रन बनाए हैं। उनका लक्ष्य टीम को आईपीएल का पहला खिताब दिलाना है।

पाटीदार ने 'आरसीबी पॉडकास्ट' पर कहा, 'मुझे आईपीएल 2022 के लिए मेगा नीलामी से पहले एक संदेश मिला था कि आप तैयार रहें, हम आपको चुनेंगे। मुझे थोड़ी उम्मीद थी कि मुझे एक और मौका मिलेगा, लेकिन मुझे मेगा नीलामी में नजरअंदाज किया गया। मैं इससे थोड़ा दुखी था।' मध्यप्रदेश के इस 31 साल के बल्लेबाज को हालांकि अपने राज्य के ही एक खिलाड़ी के चोटिल होने के बाद आरसीबी में वापसी करने का मौका मिल गया।

बेंगलुरु वापस आने के लिए उत्सुक नहीं थे रजत

पाटीदार हालांकि बेंगलुरु वापस आने के लिए उत्सुक नहीं थे, क्योंकि उन्हें पता था कि बड़े खिलाड़ियों से भरी टीम में खेलने का मौका शायद ही मिले। उन्होंने कहा, 'मैंने नीलामी में नहीं चुने जाने के बाद इंदौर में अपने स्थानीय मैचों में खेलना शुरू कर दिया था। मुझे फिर फोन आया कि हम आपको लवनीथ सिसोदिया की जगह चुन रहे हैं।' सिसोदिया चोटिल होने के कारण उस सत्र में टीम से बाहर हो गए थे।

आरसीबी और केकेआर के बीच मुकाबला आज, टेस्ट से संन्यास ले चुके कोहली पर होंगी नजरें

बंगलूरू। आईपीएल 2025 के दूसरे चरण का आगाज शनिवार से होने जा रहा है। यह लीग का 58वां मुकाबला होगा और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला जाएगा।इस मैच में सभी की निगाहें हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले विराट कोहली पर होंगी।

10 दिनों के अप्रत्याशित रुकावट के बाद आरसीबी और केकेआर दोनों प्लेऑफ में पहुंचने के लिए पूरा जोर लगाएंगे। आरसीबी 11 मैचों में 16 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर है और केकेआर के खिलाफ जीत टीम के लिए प्लेऑफ में जगह लगभग पक्की कर देगी।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, शनिवार, 17 मई, 2025
www.adityabharat.com

यूनाइटेड किंगडम के ग्लासगो में 1198 गोवन रोड के गैबल छोर पर प्रतिष्ठित गोवन कार्यकर्ता मैरी बारबोर को आधुनिक समय की प्रचारक के रूप में फिर से पेश करने वाली एक वॉल पेंटिंग का अनावरण किया गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित वॉल पेंटर जेक्स द्वारा बनाई गई यह कलाकृति बारबोर की भावना का एक साहसिक और समकालीन चित्रण है जो उनके विरोध और सक्रियता की विरासत को आज न्याय और समानता की लड़ाई से जोड़ती है।

शॉट न्यूज

नीरव मोदी की याचिका खारिज

लंदन। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाला मामले में मुख्य आरोपी भगोड़े नीरव मोदी की जमानत याचिका खारिज की गई है। लंदन की किंग्स बेंच डिवीजन हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद इसे खारिज किया। भारत की ओर से सीबीआई के वकील ने नीरव की दलीलों का विरोध किया था। नीरव मोदी पर पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से लोन लेकर करीब 14 हजार करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है। घोटाला सामने आने के बाद वह जनवरी 2018 में देश छोड़कर फरार हो गया था। नीरव को साउथ-वेस्ट लंदन से 19 मार्च, 2019 को गिरफ्तार किया गया था। तभी से वो वहां की जेल में है। भारत में नीरव के खिलाफ धोखाधड़ी के तीन केस हैं। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ धोखाधड़ी का सीबीआई मामला। दूसरा, पीएनबी मामले मनी लॉन्ड्रिंग का केस और तीसरा सीबीआई की कार्रवाई में सबूतों और गवाहों के साथ छेड़छाड़ का मामला है।

पंजाब में विदेशी छात्र की चाकू गोदकर हत्या

कपूरथला। पंजाब के कपूरथला में सूडान के छात्र की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी गई। इस घटना में एक अन्य छात्र भी घायल हुआ है। घायल के मुताबिक वह अपने दोस्त और बहनों के साथ सुबह नाश्ता करने निकला था। तभी घर के ही पास खड़े कुछ लोगों ने उन्हें गंदी गालियां दी। इस दौरान आरोपियों ने लड़कियों का मोबाइल नंबर मांगने का भी प्रयास किया। इस बात का जब युवकों ने विरोध किया तो दोनों गुटों के बीच बहस शुरू हो गई। तभी आरोपियों ने चाकू निकाले और शिकायतकर्ता अहमद हुसैन और उसके दोस्त मोहम्मद वादा पर हमला कर दिया। दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने मोहम्मद वादा को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने इस मामले में FIR दर्ज कर 6 युवकों को नामजद किया है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। अहमद हुसैन (25) ने बताया कि वह सूडान का निवासी है। अभी वह सतनामपुरा की माहेरू कॉलोनी में रहता है। 15 मई की सुबह करीब 4 बजे वह अपने दोस्त और बहनों के साथ नाश्ता करने घर से निकला था।

ट्रंप पर भड़के अमेरिका के रक्षा रणनीतिकार

आईएमएफ को क्यों नहीं रोका, चीन का गुलाम है पाक : रूबिन

न्यूयॉर्क ● एजेंसी

अमेरिकी रक्षा रणनीतिकार और अमेरिकन एंटरप्राइज इंस्टिट्यूट (एईआई) से जुड़े माइकल रुबिन ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा पाकिस्तान को 1 बिलियन डॉलर का बेलआउट पैकेज दिए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने इस निर्णय के लिए तत्कालीन ट्रंप प्रशासन को भी जिम्मेदार ठहराया है, और कहा है कि यह कदम आतंक को राज्य नीति के तौर पर अपनाने वाले देश को इनाम देने जैसा है। रुबिन 2021 तक अमेरिका के नौसेना स्नातकोत्तर स्कूल में पढ़ा चुके हैं। उन्होंने कहा, "आईएमएफ द्वारा पाकिस्तान को पैसा देना, चीन को भी अप्रत्यक्ष रूप से बेलआउट देना है। आज पाकिस्तान चीन का गुलाम बन चुका है। ग्वादर बंदरगाह 'चीन की मोतियों की माला' का पहला मोती था, और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) ने इस्लामाबाद को 40 अरब डॉलर के कर्ज में डुबो दिया है।" उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान अब चीन के इशारों पर चलने वाला देश बन चुका है और इस तरह के आर्थिक समर्थन से न केवल आतंक का पोषण हो रहा है, बल्कि चीन को भी रणनीतिक बढ़त मिल रही है।

आपत्ति

रुबिन ने हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई चार दिन की सीमित लड़ाई का जिक्र करते हुए कहा कि भारत ने इस संघर्ष में स्पष्ट और निर्णायक जीत हासिल की है। उन्होंने कहा, "पाकिस्तान ने भारत को सबक सिखाने की जो धमकी दी थी, वो खोखली निकली। उलटा खुद पाकिस्तान संघर्ष विराम की गुहार लगाता फिरा, जैसे कोई डरा हुआ कुत्ता अपनी दुम दबाकर भागता है।"

यह तो ट्रंप को खुली चुनौती देने जैसा

उन्होंने कहा, "1 बिलियन डॉलर की यह सहायता ऐसे समय में दी गई है, जब व्हाइट हाउस भारत और पाकिस्तान जैसे परमाणु संपन्न देशों के बीच तनाव को कम करने की कोशिश कर रहा था। यह सिर्फ पाकिस्तान की मदद नहीं है, बल्कि आईएमएफ द्वारा अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रंप को खुली चुनौती देने जैसा है।"रुबिन का यह बयान ऐसे वक्त आया है जब पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था बेहद नाजुक दौर से गुजर रही है और वह चीन के आर्थिक प्रभाव में पूरी तरह झुक चुका है। उनके मुताबिक, ऐसे में अमेरिका और आईएमएफ को पाकिस्तान की सहायता पर पुनर्विचार करना चाहिए, न कि उसे आतंकवाद फैलाने और चीन के रणनीतिक हितों को साधने का अवसर देना चाहिए। रुबिन ने अपने हालिया लेख में कहा कि पाकिस्तान को विश्व के सबसे भ्रष्ट देशों में से एक माना जाता है और यह आतंकवाद का प्रायोजक है।

भारत से बुरी तरह से पराजित हुआ पाकिस्तान

उन्होंने पाकिस्तान की उस कोशिश की भी आलोचना की जिसमें वह इस हार को छुपाने के लिए प्रचार करता रहा। रुबिन ने कहा, "पाकिस्तानी सेना इस हार पर चाहे जितना भी पर्दा डालने की कोशिश करे, सच्चाई यही है कि उन्होंने न केवल हार मानी, बल्कि बुरी तरह से पराजित हुए। भारत ने उनके अहम सैन्य ठिकानों और एयरबेस पर निशाना साधा और पाकिस्तान को पूरी तरह बैकफुट पर ला दिया।" अपने एक ओप-एड लेख में रुबिन ने अमेरिका को भी आड़े हाथों लिया और कहा कि उसे आईएमएफ को पाकिस्तान को आर्थिक सहायता देने से रोकना चाहिए था। उन्होंने कहा कि यह फैसला ऐसे समय में लिया गया, जब पाक स्थित आतंकवादियों ने भारत में घुसपैठ कर निर्दोष गैर-मुस्लिम नागरिकों की हत्या की और वह भी उनके परिवारों के सामने।

विदेश मंत्री जयशंकर ने पहली बार तालिबान से बात की

अफगान पर हमले को लेकर पाक दावा किया खारिज

नई दिल्ली ● एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मावलवी आमिर खान मुत्ताकी से फोन पर बातचीत की। अफगानिस्तान में तालिबान की दोबारा सरकार बनने के बाद यह भारत और तालिबान की अफगान सरकार के बीच पहली बार मंत्री स्तर की बातचीत थी। जयशंकर ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करने के लिए मुत्ताकी को शुक्रिया कहा। इस बातचीत में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, व्यापार और कूटनीतिक संबंधों को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। जयशंकर ने कहा कि भारत और अफगान लोगों के बीच जो पुराना दोस्ताना रिश्ता है, उसे दोहराया गया और भविष्य में इसे कैसे आगे बढ़ाया जाए, इस पर चर्चा हुई। इस बातचीत में भारत और अफगानिस्तान के बीच अविश्वास पैदा करने के कोशिशों का भी जिक्र हुआ। हाल ही में पाकिस्तानी सेना ने दावा किया था कि भारत ने अफगानिस्तान पर मिसाइलें चलाईं, लेकिन भारत और अफगानिस्तान दोनों देशों ने इसे पूरी तरह खारिज कर दिया था। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत-पाकिस्तान के बीच हवाई हमले हो रहे थे, तब पाकिस्तान ने दावा किया था कि भारत ने अफगान इलाके में भी मिसाइल हमला किया है। हालांकि अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इनायतुल्ला ख्वारिज्मी ने बयान जारी कर पाकिस्तान के दावे को खारिज कर दिया था। उन्होंने साफ कहा था कि इस दावे में कुछ भी सच्चाई नहीं है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक तालिबान के विदेश मंत्री ने भारत से अफगान व्यापारियों और मरीजों के लिए भारतीय वीजा की सुविधा, भारत में अफगान कैदियों की रिहाई और स्वदेश वापसी का भी अपील की।

फुस्स मिसाइलों से खिलौने तक झटके पर झटका

चीन में कई कंपनियों पर ताला, अब भारी विरोध-प्रदर्शन शुरू

बीजिंग ● एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष में पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी है, वहीं दूसरे पूर्वी पड़ोसी यानी चीन की भी पोल खुल गई है। चीन ने जो छोटी मिसाइलें पाकिस्तान को दी थीं, वो सारी की सारीं फुस्स हो गईं। दूसरी तरफ, चीन अमेरिकी टैरिफ से परेशान है। उच्च टैरिफ की वजह से चीनी खिलौनों की मांग अमेरिका में ठप पड़ गई है। इस कारण खिलौने बनाने वाली कई चीनी कंपनियों पर ताला जड़ गया है, जबकि कई कंपनियों ने छंटनी की है तो कुछ ने पैसे की तंगी की वजह से अपने कर्मचारियों का वेतन रोक दिया है। इसके खिलाफ चीन में अब भारी विरोध-प्रदर्शन शुरू हो चुका है। हाल के सप्ताहों में चीन में कारखानों के बंद होने के विरोध में प्रदर्शनों की लहर सी देखी गई है। लाखों लोगों को रोजगार देने वाला चीनी खिलौना उद्योग एक भारी जोखिम के दौर से गुजर रहा है। ये प्रदर्शन, एक्सपोर्ट आधारित अर्थव्यवस्था के उस शुरुआती दर्द को दर्शा रहे हैं, जो अमेरिका द्वारा दिया गया है। हालांकि, चीनी अधिकारियों ने हाल ही में जिनेवा में हुई हाई-प्रोफाइल अमेरिकी अधिकारियों संग बैठक की है और दोनों देशों ने 115 फीसदी तक टैरिफ में अस्थाई रूप से 90 दिनों तक कटौती करने पर सहमति दी है।

प्रदर्शन

हाई टैरिफ की वजह से कीमतें बढ़ीं, मांग ठप

उच्च टैरिफ की वजह से जहां संयुक्त राज्य अमेरिका में कीमतें बढ़ गईं हैं और मंदी का खतरा बढ़ गया है वहीं चीन में मुद्रास्फीति का दबाव और तैयार माल की जमाबंदी बढ़ गई है, उसे बाजार नहीं मिल पा रहा है। इसी वजह से दोनों बड़ी आर्थिक महाशक्तियों ने टैरिफ दरों को घटाने के अस्थाई फैसले पर सहमति जताई है, ताकि आगे का रास्ता तलाशा जा सके। फाइनेंशियल टाइम्स ने मंगलवार को बताया कि अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और चीनी वित्त मंत्री लैन फोआन ने आईएमएफ की वार्षिक बैठक के दौरान वाशिंगटन में आईएमएफ मुख्यालय के तहखाने में गुप्त रुप से मुलाकात की है।

बर्खास्तगी के खिलाफ सड़कों पर लोग

दरअसल, यह बातचीत ऐसे समय में हुई, जब चीन में विरोध-प्रदर्शन का सिलसिला तेज हो चुका है। दूसरी तरफ, अमेरिकी झटकों के बाद चीन में कारखानों को बंद करना पड़ रहा है। रेडियो फ्री एशिया की रिपोर्ट के अनुसार, चीनी कंपनियों में काम करने वाले सैकड़ों कर्मचारी वेतन नहीं मिलने और अन्यायपूर्ण बर्खास्तगी के खिलाफ सड़कों पर उतर गए हैं और विरोध प्रदर्शनकर रहे हैं।

400 कर्मचारी कर रहे मुआवजे की मांग - चीन लगभग 400 कर्मचारी मुआवजे की मांग करने के लिए लगातार दो दिनों से वहां प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच, चीन का आधिकारिक विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक, जो कि फैक्ट्री गतिविधि का एक प्रमुख संकेतक है, अप्रैल में 16 महीने के सबसे निचले स्तर पर आ गया है। माना जा रहा है कि चीन में आगे आने वाले समय में स्थितियां और गंभीर हो सकती है क्योंकि यहां की अर्थव्यवस्था में विनिर्माण उद्योग बड़ा फैक्टर निभाता है जो अमेरिकी टैरिफ की वजह से डंवाडोल हो रहा है। विनिर्माण क्षेत्र में लाखों लोगों को नौकरी खोने का खतरा सता रहा है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)